www.anokhateer.com
anokhateer@gmail.com
पंजीयन क्रमांक-एमपीएचआईएन 69306/1998

Epaper

दैनिक
अनोखा तीर
हरदा एवं नर्मदापुरम् से एक साथ प्रकाशित
निशाने पर हर खबर

01 जून 2026
हरदा, सोमवार
वर्ष-15, अंक - 354, पृष्ठ-8
मूल्य- 2 रुपए
अधि. ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष - 1
विक्रम संवत् 2083

ICSE AFFILIATED | ICSE CODE NO. - MP049
संभाग का एकमात्र
ICSE बोर्ड स्कूल
Vision International Public School
Class Nursery to 10th
ADMISSIONS OPEN
Pump Engine Road, Manpura, Harda (M.P.)
Mob.: 9826217121

संस्थापक
डॉ. रामकिशोर दोगने
पी.एच.डी.

संचालक
कुणाल दोगने
बी.ई.(सी.एस.) एम.बी.ए.

जनहित हमारी सरकार के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के 12 वर्षों के स्वर्णिम कार्यकाल के लिए उनका अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्ग दर्शन में मध्यप्रदेश भी निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। मध्यप्रदेश के गठन के बाद यहां सिर्फ 5 मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन हमारी सरकार ने जनहित को सर्वोपरि रखा और पिछले दो साल में ही प्रदेश को 7 नए मेडिकल कॉलेजों की सौगात मिल चुकी है। मध्यप्रदेश में शाजापुर जिले की अपनी एक अलग पहचान रही है। शुजालपुर के सुंदरसी का संबंध पुराने समय में सम्राट विक्रमादित्य से जुड़ता है। शुजालपुर शाजापुर जिले की सबसे सक्षम और संपन्न तहसील है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, शुजालपुर में आयोजित कॉलेज चलो अभियान और प्रदेश के महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया के शुभारंभ के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय तथा आयुष चिकित्सालय का किया भूमिपूजन:मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 388 करोड़ रुपये की लागत से 43 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इसके साथ ही 70 करोड़ रुपये की लागत से आयुर्वेदिक महाविद्यालय, चिकित्सालय और 14 करोड़ 37 लाख की लागत से 50 बिस्तरीय आयुष चिकित्सालय का भूमि-पूजन किया।

- पीएम मोदी के 12 वर्षों का स्वर्णिम कार्यकाल अभिनंदन योग्य
- मुख्यमंत्री ने शाजापुर जिले को 388 करोड़ रुपये की लागत के 43 विकास कार्यों की दी सौगात
- शुजालपुर से किया कॉलेज चलो अभियान और महाविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया का शुभांरभ

मुख्यमंत्री ने 4 सांदीपनि विद्यालयों का किया लोकार्पणः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 122 करोड़ रुपये की लागत से माँ शारदा सांदीपनि विद्यालय, महाराणा प्रताप सांदीपनि विद्यालय, मिहिर भोज सांदीपनि विद्यालय और राजा भोज सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में 14 करोड़ 58 लाख रुपये की लागत से 4 नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का लोकार्पण संपन्न हुआ।

देश में 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला जा चुका हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार सुशासन के माध्यम से प्रदेश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर रही है। राज्य के प्रत्येक गरीब, किसान, युवा और महिला सहित सभी वर्गों के जरूरतमंदों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। आज देशभर में 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया हैं। यह गर्व का विषय है। आज उज्जैन से लेकर अयोध्या और धार की भोजशाला तक जयकारे गूंज रहे हैं। हमारी सरकार न्यायालय के निर्णय को लागू कराने की प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में विकास की गंगा प्रवाहमान है। नए मेडिकल कॉलेज और आयुर्वेदिक कॉलेज खुल रहे हैं। आगामी ढाई साल में प्रदेश के विकास कार्यों में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

आयुर्वेदिक चिकित्सा के लिए आज का दिन ऐतिहासिक

उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि शुजालपुर शिक्षा की स्थली रही है। आज यहां से शाजापुर जिले को स्कूल शिक्षा और आयुष की बड़ी सौगात मिल रही है। शाजापुर को 4 नए सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण किया गया है। इनके नाम हमारे महापुरुषों के नाम पर रखे गए हैं। आयुर्वेदिक चिकित्सा में प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। प्रदेश में पिछले ढाई साल में 9 नए आयुर्वेदिक महाविद्यालय शुरू करने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। राज्य में नई सरकार बनने के बाद 11 नए आयुर्वेदिक महाविद्यालय शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

उज्जैन में आरंभ होगा शासकीय होम्योपैथिक महाविद्यालय

मंत्री परमार ने कहा कि एक शासकीय होम्योपैथिक महाविद्यालय उज्जैन में खोला जाएगा। नागरिकों के लिए बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य हमारी सरकार की प्राथमिकता है। मध्यप्रदेश नई शिक्षा नीति को लागू करने वाला देश का अग्रणी राज्य है। प्रदेश के प्रत्येक जिले में पीएमश्री एक्सीलेंस कॉलेज खोले गए हैं। युवाओं को कृषि की पढ़ाई करने का अवसर मिल रहा है। बच्चों को स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है, जिसका परिणाम इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में देखने को मिला है।

मंदसौर से भोपाल के स्वीकृत नए फोर लेन का लाभ, गुना, राजगढ़, शाजापुर को मिलेगा

सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में अधोसंरचना विकास के उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा मंदसौर से भोपाल के स्वीकृत नए फोर लेन मार्ग का लाभ, गुना, राजगढ़, शाजापुर और शुजालपुर के आसपास के क्षेत्र को भी मिलेगा। कार्यक्रम में शाजापुर जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा, विधायक घनश्याम चंद्रवंशी तथा अरुण भीमावद, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिसोदिया तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

30 मई की रात भीषण आँधी की चपेट में रहा प्रदेश

रीवा में बारिश, मंडी में रखा अनाज भीगा

भोपाल (नप्र)। इस बार नौतपा में मध्य प्रदेश में गर्मी और लू के साथ आंधी-बारिश और ओले भी गिर रहे हैं। भोपाल के कुछ इलाकों में रविवार सुबह बूंदाबांदी हुई जबकि दोपहर में रीवा में बारिश से मंडी में रखा अनाज भीग गया। मैहर में शारदा माता मंदिर का रोप-वे बंद करना पड़ा। वहीं 30 मई शनिवार को देर रात आई भीषण आंधी से प्रदेश में कहीं-कहीं ब्लेक आउट जैसे स्थिति थी।

सतना में भी तेज अंधड़ के बाद अंधेरा छा गया। फिर गरज-चमक के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। 45 मिनट तक हुई प्री मानसून बारिश के कारण जगह-जगह जलभराव हो गया। सिवनी और उमरिया में भी पानी गिरा।

मौसम विभाग के अनुसार, आज देवास, सीहोर, राजगढ़, आगर-मालवा, छतरपुर, कटनी और शहडोल में भारी बारिश और ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, 47 जिलों में भी गरज-चमक, आंधी और हल्की बारिश हो सकती है।

20 से ज्यादा जिलों में गिरा पानी

इससे पहले शनिवार को 20 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। भोपाल में शनिवार रात 12-30 बजे से तड़के 3 बजे तक तेज हवाएं चलीं, इस दौरान कई इलाकों में बिजली भी गुल रही। टीकमगढ़ में सवा इंच पानी गिर गया। दतिया में आधा इंच और नौगांव में पौन इंच बारिश हुई। ग्वालियर, इंदौर, धार, गुना, रतलाम, उज्जैन, दमोह, खजुराहो, रीवा, सागर, सतना, उमरिया, खरगोन, शिवपुरी, डिंडौरी, मंदसौर, खंडवा, शाजापुर, देवास, झाबुआ, टीकमगढ़, मुरैना, बैतूल, बालाघाट, श्योपुर में भी बारिश का दौर जारी रहा। श्योपुर में ओले भी गिरे।

कमलनाथ के गढ़ में हलचल

विधानसभा अध्यक्ष से मिले कांग्रेस के पांचों विधायक, सियासी गलियारों में अटकलें तेज

छिंदवाड़ा (नप्र)। प्रदेश में अगले महीने होने वाले राज्यसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी बीच छिंदवाड़ा दौरे पर आए विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से जिले के कांग्रेस विधायकों की मुलाकात ने राजनीतिक चर्चाओं को हवा दे दी है। हालांकि कांग्रेस विधायकों ने मुलाकात को पूरी तरह क्षेत्रीय विकास और जनहित के मुद्दों से जुड़ा बताया है, लेकिन राज्यसभा चुनाव से ठीक पहले हुई इस बैठक को लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

पांचों कांग्रेस विधायक पहुंचे सर्किट हाउस

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के छिंदवाड़ा आगमन पर जिले के पांचों कांग्रेस विधायक सर्किट हाउस पहुंचे। इस दौरान परासिया विधायक सोहन वाल्मीकि, जुन्नारदेव विधायक सुनील उइके, सौंसर विधायक विजय चौरे, चौरई विधायक सुजीत चौधरी और पांढुर्णा विधायक निलेश उइके ने उनका स्वागत किया।

ट्विशा का शव फंदे से कैसे उतारा?

सीबीआई के सामने डेमो देंगे पति और सास

भोपाल (नप्र)। राजधानी के कटारा हिल्स इलाके में हुई ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में सीबीआई का शिकंजा कसता जा रहा है। मामले की तह तक जाने के लिए जांच एजेंसी अब एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। सीबीआई की टीम आरोपी पति समर्थ सिंह और सास गिरीबाला सिंह को उनके उसी घर में लेकर जाएगी, जहां 12 मई की रात ट्विशा का शव फंदे से लटका मिला था। वहां पूरी घटना का सीन रिक्रिएशन किया जाएगा।

80 किलो की एक डमी से बेल्ट की जांच

जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई इस दौरान 80 किलोग्राम वजनी एक डमी का इस्तेमाल करेगी। आरोपी पति समर्थ ने पूछताछ में दावा किया है कि उसने ट्विशा के शव को फंदे से नीचे उतारा था और उसकी मां गिरिबाला ने गले की गांठ खोली थी। अब सीबीआई दोनों को उसी जगह ले जाकर डमी के जरिए इसका लाइव डेमो लेगी।

मप्र में मकानों की गणना का काम पूरा

7 लाख परिवारों ने खुद भरी ऑनलाइन जानकारी; हाईटेक तरीके से हुई मकानों की गिनती

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में जनगणना 2027 का पहला पड़ाव पूरा हो गया है। एमपी में 'मकान सूचीकरण और मकानों की गणना' (एचएलओ) का फील्ड काम तय समय सीमा के भीतर 30 मई को पूरा हो गया। एक महीने तक चले इस अभियान की शुरुआत 1 मई 2026 को हुई थी, जिसके तहत प्रदेश के हर कोने में डिजिटल माध्यम से आंकड़ों को कलेक्ट किया गया।

- **हाईटेक तरीके से हुई मकानों की गिनती-** इस बार की जनगणना पूरी तरह से हाईटेक और डिजिटल रंग में रंगी नजर आई। प्रगणकों ने घर-घर जाकर मोबाइल ऐप के जरिए मकानों की स्थिति, परिवारों को मिलने वाली सुविधाओं और परिसंपत्तियों से जुड़े कुल 33 अधिसूचित प्रश्नों के जवाब दर्ज किए।
- **पोर्टल पर की गई दर्ज जानकारी-** मकानों की गणना की पूरी प्रक्रिया की कड़ाई से मॉनिटरिंग एक विशेष पोर्टल के माध्यम से की गई, जिससे काम की गुणवत्ता और रफ्तार दोनों बनी रही। खास बात यह रही कि फील्ड वर्क से पहले 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक राज्य में स्व-गणना (सेल्फ एनुमरेशन) का विकल्प भी दिया गया था।

वैज्ञानिक आधुनिक कृषि का व्यवहारिक अनुभव किसानों को दे : राज्यपाल

प्रधानमंत्री की 'मन की बात' राज्यपाल ने सुनी किसानों के साथ, केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान का किया अवलोकन

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि वैज्ञानिक आधुनिक कृषि तकनीक का व्यवहारिक अनुभव किसानों को दें। केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान द्वारा आस-पास के क्षेत्रों के किसानों को केंद्र में आमंत्रित किया जाना चाहिए। यहाँ किसानों को उनके सामर्थ्य और आवश्यकता के अनुरूप उपयोगी आधुनिक तकनीकों के बारे में बताया जाए। उन्हें कृषि यंत्रों का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाए, ताकि किसान इनका स्वयं उपयोग करने में सक्षम हो सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, हमारे पूरे राष्ट्र की सामूहिक चेतना, शक्ति और संकल्प का प्रतीक है।

मन की बात राष्ट्र की सामूहिक चेतना

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देश के सुदूर कोनों के गुमनाम नायकों की उपलब्धियों को बताते हैं, जिनके एकल प्रयासों ने समाज में बड़े बदलाव किए हैं।

अनुसंधान केन्द्र का किया अवलोकन

राज्यपाल श्री पटेल ने कार्यक्रम के पूर्व केंद्र में विकसित किए गए आधुनिक उपकरण आधुनिक कृषि उपकरणों और तकनीक का अवलोकन किया। कृषि वैज्ञानिकों का उत्साह वर्धन किया।

केंद्र और राज्य सरकार के लिये हैं किसान कल्याण सर्वोपरि

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कृषि वैज्ञानिकों को बदलते परिवेश में खेती पर होने वाले मौसम के प्रकोप को सहने और फसलों की सुरक्षा करने की क्षमता बढ़ाने में किसानों की सहायता करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित महिला किसानों की उपस्थिति पर हर्ष व्यक्त किया। बताया कि वर्तमान में केंद्र और राज्य, दोनों ही सरकारों के केंद्र में किसान कल्याण सर्वोपरि है।

सड़क पर खड़े वाहन चालकों को पुलिस ने दी समझाइश, चालानी कार्रवाई भी की

अनोखा तीर, करताना। बस स्टैंड क्षेत्र में छिपानेर से हरदा की ओर रेत लेकर जाने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित अन्य वाहन चालक सड़क पर ही वाहन खड़े कर चले जाते हैं। इसके चलते हरदा-छिपानेर मार्ग पर यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है और दुर्घटना की

आशंका भी बनी रहती है। इसी को देखते हुए रविवार को पुलिस द्वारा सड़क पर खड़े वाहन चालकों को समझाइश दी गई कि वे अपने वाहन सड़क पर खड़े न करें। साथ ही सड़क पर खड़े पाए गए वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई भी की गई। पुलिस चौकी प्रभारी प्रकाश सोलंकी ने कहा कि कोई भी वाहन चालक यदि सड़क पर वाहन खड़ा करता पाया गया तो उसके विरुद्ध चालानी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और सड़क पर वाहन खड़े नहीं करने की अपील की। पुलिस द्वारा प्रतिदिन बड़ी छिपानेर से हरदा की ओर रेत लेकर जाने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की जांच की जा रही है। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई भी की जा रही है।

बेटी के शिक्षित होने से पूरी पीढ़ी शिक्षित होती है : रूचिवर्धन मिश्रा

सुभाष स्कूल में यत्र नार्यस्तु पूज्यंते नृत्य नाटिका की सफल प्रस्तुति संपन्न

अनोखा तीर, भोपाल। नारी का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। जहां नारी का सम्मान होता है वहां देवता भी निवास करते हैं। समाज में व्याप्त बेटा बेटी के विभेद का उन्मूलन करना आज महती आवश्यकता है। ब्लेस वेलफेयर सोसाइटी एवं सुभाष एक्सीलेंस स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न नृत्य नाटिका यत्र नार्यस्तु पूज्यंते कार्यक्रम में आईपीएस अधिकारी श्रीमती रूचिवर्धन मिश्रा ने अपने अतिथि उद्बोधन में यह बात कही। उन्होंने कहा कि एक बेटा के शिक्षित होने से पूरा परिवार शिक्षित होता है। वहीं एक बेटी के शिक्षित होने से पूरी पीढ़ी शिक्षित होती है। नृत्य नाटिका के प्रतिभागी बालक बालिकाओं को कला के माध्यम से उन्होंने प्रोत्साहित किया। वरिष्ठ रंगकर्मी और अभिनेता बालेंद्र सिंह ने अभिनय कर रहे

प्रतिभागियों को नारी के सम्मान और आदर भाव को जीवन में आचरण में लाने की शिक्षा दी। उन्होंने कहा कि 15 दिन की इस नाटक कार्यशाला में रंगकर्म की विधा से जो कुछ भी सीखा है, वे इस कला को भविष्य में निखारने का प्रयास करें। वरिष्ठ साहित्यकार और लेखक श्रीराम माहेश्वरी ने प्रतिभागियों के अभिनय को गहन साधना का अंश बताया। नारी सम्मान विषय पर अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अब लोगों की धारणा बदल रही है, इसके बावजूद सामाजिक बदलाव के लिए सकारात्मक प्रयासों की आवश्यकता है। सुभाष एक्सीलेंस स्कूल के प्राचार्य सुधाकर पाराशर ने नृत्य नाटिका के प्रतिभागी बच्चों को सीखी बातों को आचरण में लाने तथा माता-पिता बड़ों के प्रति आदर भाव रखने की सीख दी। सभी छात्र-छात्राओं को उन्होंने परिवार, समाज और देश के प्रति नागरिक कर्तव्य का बोध कराया। आरंभ में अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन किया। मान्या पिंजानी ने संचालन किया।

ब्लेस वेलफेयर सोसाइटी के संस्थापक एवं कोरियोग्राफर योगेंद्र सिंह राजपूत ने बीज वक्तव्य देते हुए संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। संस्था की स्थापना 2015 में हुई। तब से नियमित रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न हो रहे हैं। संस्था की यह 21 वीं कार्यशाला है, जो 15 से 30 मई 2026 तक आयोजित हुई है। लोकनृत्य, लोक संगीत, नृत्य नाटिका, बैले तथा रंगमंच के माध्यम से समाज में व्याप्त रूढ़िवादिता उन्मूलन के प्रति जन जागरूकता लाना संस्था का प्रमुख उद्देश्य है। उभरती प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा उन्हें कला और अभिनय के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के कार्यों में संस्था निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में कुंती सिंह राजपूत, शैलेंद्र हजारी, रिचा हजारी, स्कूल के स्टाफ सहयोगी, अभिभावकों सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

गंदे पानी की आपूर्ति से ग्रामीण परेशान, टंकी की सफाई नहीं होने का आरोप

अनोखा तीर, किल्लौद। जनपद पंचायत क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की पानी की टंकी की पिछले चार से पांच माह से सफाई नहीं की गई है, जिसके कारण लोगों को दूषित पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि इसी टंकी से लगभग 400 घरों को पानी की आपूर्ति की जाती है। ग्रामीणों के अनुसार टंकी में अत्यधिक गंदगी जमा है और कई बार संबंधित कर्मचारियों व पंचायत प्रतिनिधियों को इसकी जानकारी भी दी गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं किया गया। दूषित पानी के कारण लोगों के बीमार पड़ने की आशंका भी बनी हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उपसरपंच शंकर काडोले ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और पंचनामा तैयार कर जनपद पंचायत किल्लौद को जांच के लिए भेजा। ग्रामीणों ने पेयजल टंकी की तत्काल सफाई कर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं, इस मामले में सरपंच और सचिव की लापरवाही को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

ग्राम हापला में विधायक कंचन तनवे ने सुनी 'मन की बात'

अनोखा तीर, खंडवा। खंडवा विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तनवे ने अपने विधानसभा क्षेत्र के भाजपा ब्रह्मगिर-अमलपुरा मंडल अंतर्गत ग्राम हापला के बूथ क्रमांक 129 पर ग्रामीणों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 134वां संस्करण सुना। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि महीने के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशवासियों से संवाद करते हैं। प्रधानमंत्री के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिलेभर में भाजपा संगठन द्वारा विभिन्न स्थानों पर 'मन की बात' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के पश्चात विधायक श्रीमती कंचन तनवे ने उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए कहा कि 'मन की बात' देशवासियों को प्रेरित करने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रभावी माध्यम बन गया है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय विषयों पर अपने विचार साझा कर देश को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री राजपाल सिंह चौहान, धनसिंह सोलंकी, सरदार सिंह सावनेर, धर्मेंद्र सावनेर, दुर्गेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और राष्ट्र निर्माण में अपनी सहभागिता का संकल्प लिया।

प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह खंडवा-बुरहानपुर प्रवास पर रहे

अनोखा तीर, खंडवा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह रविवार को खंडवा एवं बुरहानपुर जिले के प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया और कार्यकर्ताओं व जनप्रतिनिधियों से संवाद किया। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि डॉ. महेंद्र सिंह ने मांधाता विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भोसली में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात को जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के साथ सुना। कार्यक्रम के पश्चात उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा भी की। इसके बाद वे बुरहानपुर पहुंचे, जहां सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के निवास पर पहुंचकर उनके भाई के हाल ही में हुए निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रवास के दौरान डॉ. महेंद्र सिंह ने बुरहानपुर के मंगल विलास परिसर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के अंतर्गत आयोजित जिला प्रशिक्षण वर्ग की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने प्रशिक्षण वर्ग के एक सत्र को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती, कार्यकर्ता प्रशिक्षण और जनसेवा के महत्व पर प्रकाश डाला।

जापानी मॉडल से बुजुर्गों को संभालेगा केरलम

- इमारतें व्हीलचेयर अनुकूल बनेंगी 'स्किल बैंक' से युवाओं को जोड़ेंगे

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। देश में सबसे तेजी से बुजुर्ग होती आबादी वाले राज्यों में शामिल केरलम ने अब इस चुनौती से निपटने के लिए जापान का मॉडल अपनाने की तैयारी कर ली है। नई राज्य सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए देश का पहला समर्पित विभाग और वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाने की घोषणा

की है। 'भारत में बुजुर्ग' रिपोर्ट 2021 के अनुसार केरलम में 2011 में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की हिस्सेदारी 12.5त्न थी, जो अब 16.5 से 18.7 फीसदी पहुंच चुकी है। 2031 तक बुजुर्गों की संख्या कुल आबादी की 20.9 फीसदी तक पहुंचने के आसार हैं; जबकि भारत का यह 13.1 फीसदी होगी। यही नहीं, 2051 तक राज्य की एक-तिहाई आबादी बुजुर्ग होने का अनुमान है। पहले से योजनाएं चल रही हैं, लेकिन ये प्रयास बिखरे हुए हैं। केरलम में महिलाएं ज्यादा जीती हैं।

बंगाल में बॉर्डर पर फेंसिंग लगाने पहुंची बीएसएफ

- स्थानीय लोगों ने जताई खुशी बोले-अब चैन से सो सकेंगे

कहा-अब हम भी अराजक बांग्लादेशियों को दे रहे चुनौती

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल बॉर्डर का 600 किलोमीटर का एक हिस्सा ऐसा है, जहां बांग्लादेश के साथ सीमा पूरी तरह खुली है। कोई फेंसिंग नहीं है। यहां बीते दिनों जब बीएसएफ की टीम बॉर्डर नापने के लिए पहुंची तो गांव वालों ने मिठाइयां बांटी। यह इलाका है मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार में जीरो लाइन पर बसा सकारपाड़ा गांव। 4 हजार की आबादी और 2500 मतदाता। इनमें 95 फीसदी लोग खेती पर निर्भर हैं। गांव का भूगोल बेहद संवेदनशील है। घर खत्म होते ही खेत आ जाते हैं और खेत खत्म होते ही बांग्लादेश। ग्राम पंचायत सदस्य पिंटू मंडल का घर गांव में सबसे आखिर में है। परिवार के पास 30 बीघा जमीन है। स्थानीय पिंटू मंडल ने बताया कि हमें शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन बांग्लादेश के लोग कभी भी हमारे खेतों में घुस आते हैं और फसलें काटकर ले जाते हैं। बीते 30 साल में ऐसा कोई भी महीना नहीं बीता, जब उनसे विवाद न हुआ हो।

अब तक बीएसएफ को 27 किमी जमीन दी जा चुकी

बंगाल में नई सरकार बनने के बाद से अब तक बीएसएफ को बॉर्डर की 27 किमी जमीन दी जा चुकी है। इनमें 18 किमी में फेंसिंग होनी है और 9 किमी में बॉर्डर आउट पोस्ट विकसित करने की योजना है।

सरकार का 45 दिनों में 600 एकड़ जमीन देने का लक्ष्य

सबसे ज्यादा जमीन मुर्शिदाबाद (38.80 एकड़) में दी गई है। इसके बाद जलपाईगुड़ी (35.16 एकड़) और कूचबिहार (22.92 एकड़) का स्थान है। यह जमीन भारत-बांग्लादेश सीमा पर बार्ब्ड वायर फेंसिंग (कंटीले तार), आउटपोस्ट और सुरक्षा ढांचा बनाने के लिए दी गई है। राज्य सरकार ने कुल 600 एकड़ जमीन 45 दिनों के भीतर बीएसएफ को देने का लक्ष्य रखा है।

दो चरणों में लागू होगा वन नेशन वन इलेक्शन पहले 20 राज्यों के चुनाव एक साथ का है प्लान

वन नेशन, वन इलेक्शन पर सुरक्षित रास्ता तलाश रही सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार वन नेशन वन इलेक्शन के लिए सुरक्षित रास्ता तलाश रही है। इसके लिए बनी जेपीसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक समिति टू-फेज ट्रांजिशन मॉडल पर विचार कर रही है, जिससे राज्यों में बार-बार चुनाव कराने या विधानसभाओं के कार्यकाल में बहुत बड़ी कटौती करने की जरूरत न पड़े। पूरे देश को एक साथ चुनावी चक्र में लाने के बजाय दो चरणों- 2029 और 2034 में बढ़ने का विकल्प सबसे व्यावहारिक माना जा रहा है। पहले चरण में 2029 के लोकसभा चुनाव के साथ करीब 20 राज्यों के विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में पैनल का गठन

एक राष्ट्र-एक चुनाव पर विचार करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में 2 सितंबर 2023 को एक पैनल का गठन किया गया था। इस पैनल ने हितधारकों-विशेषज्ञों के साथ चर्चा और 191 दिनों के शोध के बाद 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

संविधान में गुंजाइश है लेकिन सहमति पर जोर

लॉ कमीशन के पूर्व सदस्य और मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के लॉ कॉलेज के डीन आनंद पालीवाल ने कहा कि एक देश-एक चुनाव को चरणबद्ध तरीके से लागू करने के लिए संवैधानिक विकल्प मौजूद हैं। कुछ राज्यों में विधानसभा का कार्यकाल पूरा होने से पहले चुनाव कराए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में कार्यकाल बढ़ाने के विकल्प भी हैं। भारत में पहले भी विशेष परिस्थितियों में लोकसभा और विधानसभाओं के कार्यकाल में बदलाव किए गए हैं। हालांकि किसी भी व्यापक बदलाव के लिए संसद द्वारा आवश्यक कानूनी प्रावधान और राजनीतिक सहमति जरूरी होगी। 1952 से 1967 तक यानी चार बार लोकसभा व अधिकांश विधानसभा चुनाव साथ हुए। 1967 के बाद कई राज्यों में सरकारें गिरने लगीं।

यूपी में छात्र की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

बकरीद के दिन मारा था, भागते वक्त पुलिस ने मारी गोली

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में 11वीं के छात्र सूर्या चौहान की हत्या का मुख्य आरोपी असद (19) एनकाउंटर में मारा गया। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। रविवार तड़के 4 बजे पुलिस ने घेरा तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में असद ढेर हो गया। पुलिस ने शनिवार को ही उस पर 50 हजार का ईनाम घोषित किया था। मुठभेड़ शहर के वसुंधरा इलाके में हुई।

डिप्टी सीएम ने कहा था- हत्यारों को बख्शेंगे नहीं

शनिवार को 10 घंटे हंगामा चला था। हिंदू संगठन सड़क पर उतर आए थे। परिजन ने सूर्या का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया था। पुलिस ने देर शाम परिवार को समझाकर अंतिम संस्कार करवाया था। डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा था- हत्यारों को बख्शा नहीं जाएगा।

इंडिया गठबंधन एक बार फिर भरेगा हुंकार

- 6 जून को बड़ी बैठक, राहुल गांधी ने ममता बनर्जी से की बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के 6 जून को होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने की संभावना है। इसे एक बेहद महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम की तरह देखा जा रहा है। देश के बदलते राजनीतिक माहौल के बीच बनर्जी के इस अहम बैठक में शामिल हो सकने की सूचना तब सामने आई, जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को बनर्जी से आधे घंटे से भी अधिक समय तक बातचीत की। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, चुनावी मोर्चे पर गठबंधन के कई मुख्य सहयोगियों को मिली लगातार हार के बाद विपक्षी खेमे की रणनीति निशाने पर है।

जनरल सुब्रमणि ने देश के नए सीडीएस का संभाला पदभार

पाकिस्तान-चीन मामलों के एक्सपर्ट हैं, गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को पदभार संभाल लिया। दिल्ली में उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन्स में गार्ड ऑफ ऑनर दिया

- असली टास्क सेना में थिएटर कमांड मॉडल को लागू करना होगा

गया। वे देश के तीसरे सीडीएस है। उन्होंने जनरल अनिल चौहान की जगह ली है। जनरल चौहान शनिवार को रिटायर हुए थे। पदभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना, रक्षा मंत्रालय और सभी संबंधित संस्थान देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एकजुट हैं। उन्होंने कहा, भारतीय सेना में स्वदेशी हथियारों और सैन्य उपकरणों के अपडेशन, उनकी खरीद और इस्तेमाल को तेज किया जाएगा। सेना की ताकत बढ़ाने के लिए नई सोच और नए तरीकों को अपनाया जाएगा। नए सीडीएस सुब्रमणि के सामने पहला टास्क सेना में थिएटर कमांड मॉडल को लागू करने को होगा। दरअसल एक दिन पहले सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने थिएटर कमांड व्यवस्था पर बोलते हुए कहा था कि यह प्रक्रिया आगे बढ़ रही है।

तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय बनाना महत्वपूर्ण

थिएटर कमांड व्यवस्था में किसी क्षेत्र या मिशन के लिए एक ही कमांडर होगा। इसके सेना की तीनों यूनिट्स एक साथ काम करेंगी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ देश की तीनों सेना यानी आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के बीच तालमेल बनाने वाला सबसे सीनियर मिलिट्री ऑफीसर होता है। यह फोर-स्टार रैंक का पद है। सीडीएस, चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी का स्थायी चेयरमैन और रक्षा मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स का प्रमुख भी होता है। इस पद का मकसद तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय बनाना, संयुक्त सैन्य रणनीति तैयार करना और रक्षा मामलों में फैसले लेने की प्रक्रिया को तेज करना है। दिसंबर 2019 में यह पद बनाया गया था। बिपिन रावत देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ थे। सीडीएस सरकार और रक्षा मंत्रालय को सैन्य मामलों में सलाह देता है। वह सैन्य खरीद, लॉजिस्टिक्स, संयुक्त ऑपरेशन, साइबर और स्पेस से जुड़े समन्वय पर भी काम करता है। न्यूक्लियर कमांड अथॉरिटी में भी सीडीएस की अहम भूमिका होती है। पहले सीडीएस बिपिन रावत जनवरी 2020 में बने थे।

दानापुर-बेंगलुरु स्पेशल ट्रेन के 45 फेरे बढ़ाए

अनोखा तीर, भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा गर्मियों के दौरान अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने तथा यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे द्वारा विभिन्न स्पेशल ट्रेनों की अवधि बढ़ाई जा रही है। इसी क्रम में यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूर्व मध्य रेलवे से संचालित दानापुर-सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल (बेंगलुरु)-दानापुर एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन के 45-45 अतिरिक्त फेरे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से होकर संचालित होती है।

- **दानापुर-बेंगलुरु-दानापुर एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 45 सेवाएं** - ट्रेन संख्या 03251 दानापुर-सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरु एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन, जो 31 मई 2026 तक अधिसूचित थी, अब 1 जून 2026 से 15 जुलाई 2026 तक संचालित की जाएगी। इस दौरान ट्रेन के 45 अतिरिक्त फेरे लगाए जाएंगे। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 03252 सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल (बेंगलुरु)-दानापुर एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन, जो 2 जून 2026 तक अधिसूचित थी, अब 3 जून 2026 से 18 जुलाई 2026 तक संचालित रहेगी। इस ट्रेन के भी 45 अतिरिक्त फेरे बढ़ाए गए हैं। रेल प्रशासन ने बताया कि यात्री विस्तारित अवधि में संचालित होने वाली इस स्पेशल ट्रेन की विस्तृत जानकारी रेलवे स्टेशन, रेल मदद 139 तथा रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

सार-समाचार

बूथों पर कार्यकर्ताओं ने सुना प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम का प्रसारण

अनोखा तीर, टिमरनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें संस्करण का प्रसारण रविवार को टिमरनी नगर के विभिन्न वार्डों के बूथों पर कार्यकर्ताओं द्वारा सामूहिक रूप से सुना गया। इसी क्रम में वार्ड 15 के बूथ क्र.68 पर बूथ अध्यक्ष अमित परदेसी के निवास पर कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम का श्रवण किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा विभिन्न सामाजिक, राष्ट्रीय एवं जनहित से जुड़े विषयों पर व्यक्त विचारों को सुना गया। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता संतोष परदेशी, मोहित सोलंकी, देवेंद्र कनेरिया, राहुल मालाकार, ऋतुराज लोहाना, छोटेलाल पवार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अवैध वेंडरों के विरुद्ध भोपाल मंडल का विशेष अभियान

अनोखा तीर, भोपाल। रेल यात्रियों की सुरक्षा एवं स्टेशन परिसरों में बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भोपाल मंडल में वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डॉ. अभिषेक एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के नेतृत्व में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत स्टेशन परिसर में स्थापित सीसीटीवी कैमरा प्रणाली के माध्यम से निरंतर निगरानी रखी जा रही है। विगत तीन दिनों के दौरान रेल यात्रियों का सामान चोरी करने अथवा चोरी का प्रयास करने वाले कुल 11 संदिग्ध व्यक्तियों को रेल सुरक्षा बल द्वारा पकड़ा गया। इनमें से दो व्यक्तियों के विरुद्ध जीआरपी थाना भोपाल द्वारा बीएनएसएस की धारा 170 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की गई। शेष नौ आरोपियों के विरुद्ध रेल अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई कर उन्हें माननीय रेलवे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां न्यायालय द्वारा उन्हें 2500 रुपये के अर्थदंड एवं 30 दिन के कारावास से दंडित किया गया। रेल यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित खान-पान सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेल सुरक्षा बल एवं वाणिज्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से स्टेशन स्थित स्टॉलों एवं खान-पान इकाइयों का निरीक्षण भी किया गया। जांच के दौरान वाणिज्यिक नियमों का उल्लंघन करने वाले 23 वेंडरों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। रेल सुरक्षा बल के अनुसार वर्ष 2026 में मई माह तक भोपाल पोस्ट द्वारा वाणिज्यिक नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 591 वेंडरों के विरुद्ध कार्रवाई की जा चुकी है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि रेल यात्रियों की सुरक्षा, चोरी की घटनाओं की रोकथाम तथा अधिकृत वेंडरों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण खान-पान सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए रेल सुरक्षा बल एवं वाणिज्य विभाग का संयुक्त अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने यात्रियों से भी सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल रेल सुरक्षा बल को देने की अपील की।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर दिया नशा मुक्ति का संदेश

अनोखा तीर, हरदा। कलेक्टर के निर्देशानुसार सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर विभिन्न विभागों के समन्वय से नशा मुक्ति के प्रति जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत खेल, संगीत, योग एवं शपथ कार्यक्रमों का आयोजन कर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया। जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के माध्यम से 100 मीटर दौड़ एवं फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस दौरान प्रतिभागियों को स्वास्थ्य एवं फिटनेस का संदेश दिया गया। वहीं श्री शारदा एकेडमी हरदा में युवाओं के मध्य संगीत कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय प्रजापिता संस्थान से बीके किरण दीदी एवं बीके राजेश ने योग एवं मेडिटेशन के माध्यम से उपस्थितजनों को नशा न करने की शपथ दिलाई तथा नशामुक्त जीवन के महत्व पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बताया कि नशा व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक जीवन को प्रभावित करता है, इसलिए युवाओं को इससे दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज के लिए घातक सिद्ध होता है। कार्यक्रम में उपस्थित खिलाड़ियों एवं युवाओं ने नशामुक्त जीवन अपनाने तथा समाज में जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। खेल, संगीत एवं मेडिटेशन कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों, कार्यकर्ताओं एवं छात्र-छात्राओं को विभाग द्वारा प्रमाण-पत्र, नशा मुक्ति संदेशयुक्त कैप एवं ट्रॉफियां वितरित की गईं। जागरूकता अभियान में उपसंचालक सामाजिक न्याय कमलेश सिंह, मास्टर ट्रेनर संकेत श्रीवास्तव, सहायक ग्रेड-3 मयंक काले, प्रशासनिक अधिकारी अभिषेक साहू, सहायक ग्रेड-3, जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग से मास्टर ट्रेनर सलमा खान, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से पैरालीगल वॉलंटियर सुरेंद्र कौर, योग गुरु राधेश्याम गौर, हॉकी कोच संदीप सौदे, फुटबॉल कोच इमरान खान, अजय पुरवइया, श्री शारदे म्यूजिक अकैडमी से संगीत शिक्षिका लवीना काले, अजय कुशवाहा सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गौर समाज ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

अनोखा तीर, हरदा। कुर्मी क्षत्रिय गौर समाज संगठन जिला हरदा के मार्गदर्शन में जिला शिक्षा समिति द्वारा शनिवार को कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं उनके पालकों ने सहभागिता कर शिक्षा और करियर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत, दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ स्तंभ आर.एस. गौर, समाज के जिला अध्यक्ष एन.पी. गौर, समिति अध्यक्ष जीआर गौर, डॉ. राजीव खरे, जीवन गौर, हेमंत गौर, नितिन गौर एवं संदीप गौर ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, लक्ष्य निर्धारण एवं निरंतर परिश्रम का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि केवल नौकरी प्राप्त करना ही सफलता का अंतिम लक्ष्य नहीं है, बल्कि युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में भी अवसर तलाशने चाहिए। वक्ताओं ने छात्रों को करियर चयन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, समय प्रबंधन, व्यक्तित्व विकास तथा आधुनिक दौर में उपलब्ध रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों के संबंध में उपयोगी मार्गदर्शन दिया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को ईमानदारी, सकारात्मक सोच और कानून के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। अन्य वक्ताओं ने शिक्षा को समाज और राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम बताते हुए छात्रों को अपने माता-पिता और गुरुओं के प्रति सम्मान बनाए रखने तथा निरंतर सीखते रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में जिला शिक्षा समिति के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं पालकों का आभार व्यक्त करते हुए समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन जीपी गौर एवं अरुण गौर ने किया।

गिरदावरी पोर्टल में देरी से अटका पंजीयन कार्य, किसानों की बढ़ी चिंता

- **21 मई से शुरू होकर 6 जून तक चलेगी गिरदावरी**
- **15 जून तक होंगे मूंग विक्रय के लिए पंजीयन**

अनोखा तीर, मसनगांव। प्रदेश सरकार द्वारा ग्रीष्मकालीन मूंग उपार्जन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं, लेकिन गिरदावरी पोर्टल पर जानकारी अपडेट होने में देरी के कारण किसानों के पंजीयन कार्य प्रभावित हो रहे हैं। मूंग फसल बेचने के लिए किसानों का पंजीयन 15 जून तक किया जाना है, जबकि गिरदावरी का कार्य 21 मई से शुरू होकर 6 जून तक चलेगा। ऐसे में बड़ी संख्या में किसान समितियों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। जानकारी के अनुसार राज्य शासन द्वारा इस वर्ष गिरदावरी करने वाले सर्वेयरों की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है, जिसके बाद यह जिम्मेदारी पटवारियों को सौंपी गई है। हालांकि अधिकांश पटवारियों के पास एक से अधिक हल्कों का प्रभार होने से कार्य की गति प्रभावित हो रही है। मसनगांव क्षेत्र में भी एक पटवारी के पास लगभग चार हल्कों का प्रभार है, जिसके कारण सीमित समय में सभी गांवों की गिरदावरी करना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। ग्राम पटवारी दीपक भिलाला ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 21 मई से गिरदावरी का कार्य प्रारंभ हो चुका है और यह 6 जून तक जारी रहेगा। निर्धारित समय सीमा में सभी खेतों की

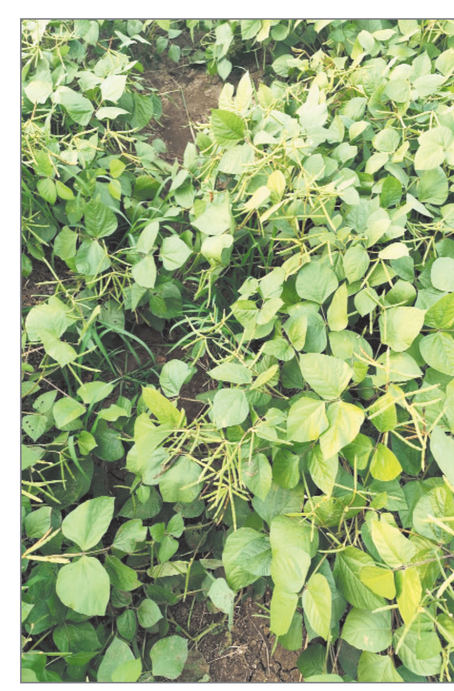

गिरदावरी कर पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं समिति कर्मचारी जगदीश बास्या ने बताया कि गिरदावरी पोर्टल पर फसल का विवरण प्रदर्शित नहीं होने के कारण किसानों के पंजीयन नहीं हो पा रहे हैं। प्रतिदिन बड़ी संख्या में किसान समिति पहुंच रहे हैं, लेकिन ऑनलाइन रिकॉर्ड अपडेट नहीं होने से उन्हें वापस लौटना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि शासन द्वारा सैटेलाइट तकनीक के माध्यम से भी गिरदावरी कराई गई है, लेकिन तकनीकी कारणों से कई किसानों की फसल संबंधी जानकारी पोर्टल पर दिखाई नहीं दे रही है। इसके चलते मूंग उपार्जन के लिए आवश्यक पंजीयन प्रक्रिया बाधित हो रही है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द ही तकनीकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो निर्धारित समय सीमा में पंजीयन पूरा कर पाना मुश्किल हो जाएगा। इससे किसानों को अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेचने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। किसानों ने शासन और प्रशासन से गिरदावरी एवं पंजीयन प्रक्रिया को शीघ्र सुचारू करने की मांग की है, ताकि मूंग खरीदी से कोई भी पात्र किसान वंचित न रहे।

सिनर्जी संस्थान के युवालय प्रोग्राम में नशा मुक्ति अभियान की शुरुआत

अनोखा तीर, हंडिया। सिनर्जी संस्थान के युवालय प्रोग्राम के अंतर्गत तहसील हंडिया में युवा साथियों द्वारा दो दिवसीय नशा मुक्ति अभियान की शुरुआत की गई। अभियान के प्रथम दिन ग्राम साल्यखेड़ी एवं उंढाल में युवाओं ने नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया तथा दीवार लेखन किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से तंबाकू, सिगरेट, शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। नाटक के जरिए युवाओं ने ग्रामीणों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। अभियान के दौरान युवाओं ने गांव की प्रमुख दीवारों पर नशा मुक्ति से संबंधित प्रेरणादायक नारे लिखकर लोगों को जागरूक किया। ग्रामीणों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए नशे के खिलाफ मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में युवा साथियों एवं ग्रामवासियों द्वारा सामूहिक रूप से नशा मुक्ति की शपथ ली गई। सभी ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। युवालय के इस अभियान का उद्देश्य युवाओं एवं समुदाय में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। अभियान के आगामी चरण में भी विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

हेल्प लाईन नंबर

सीएम हेल्प लाईन	181
पुलिस	112
फायर बिग्रेड	101
एम्बुलेन्स	108
चाईल्ड हेल्प लाईन	1098
किसान कॉल सेंटर	18001801551
विद्युत शिकायत	18002331912
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112-100
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेन्स सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाईल्ड लाईन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाईन	1076
क्राईम सटायर	1090
महिला सहायता	1091
पृथ्वी भूकंप	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान कॉल सेंटर	1098
नागरिक कॉल सेंटर	155300

भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप है त्रिभाषा फॉर्मूला : बीआर शंकरानंद

अनोखा तीर, नई दिल्ली। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत तीन भाषा नीति एक संतुलित, समावेशी एवं भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया गया महत्वपूर्ण सुधार है। त्रिभाषा फॉर्मूले के संबंध में फैलाई जा रही सूचनाएं तथ्यहीन एवं भ्रामक हैं। यह बात भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री बीआर शंकरानंद ने भारतीय शिक्षण मंडल की अखिल भारतीय बैठक को संबोधित करते हुए कही। बैठक में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय अध्यक्ष सच्चिदानंद जोशी भी उपस्थित थे। शंकरानंद ने कहा कि यह नीति भारत की बहुभाषी संस्कृति को प्रतिबिंबित करती है, जिसमें देशभर के अनेक बच्चे अपने दैनिक जीवन में दो से अधिक भाषाओं का उपयोग करते हैं। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में संचार कौशल, मानसिक क्षमता और बहुभाषिक दक्षता का विकास करना है, जिससे वे उच्च शिक्षा, रोजगार और समाज को बेहतर बनाने के लिए तैयार हो सकें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तीन भाषा फॉर्मूले के लागू किए जाने का विरोध अंग्रेजी शिक्षित अभिजात्य वर्ग की 'मैकाले मानसिकता' के कारण हो रहा है। यह नीति भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहित करती है और बहुभाषिक दक्षता को मजबूती देती है। इसके साथ ही विद्यार्थियों के विकल्पों का विस्तार करती है तथा देशभर में समान और समावेशी शिक्षा को समर्थन देती है। शंकरानंद ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-स्कूल शिक्षा 2023 (एनसीएफ-एसई) में शिक्षण एवं अधिगम में बहुभाषिकता और भाषा के महत्व पर विशेष बल दिया गया है। नीति के अनुसार तीन भाषा सूत्र को अधिक लचीला बनाकर लागू किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोपी जाएगी। विद्यार्थियों को कम से कम दो भारतीय भाषाएं सीखने का अवसर मिलेगा। त्रिभाषा नीति देश को भविष्य में औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकालते हुए एक सुदृढ़ राष्ट्र के निर्माण में सहयोगी बनेगी। एनसीएफ-एसई 2023 का उद्देश्य माध्यमिक स्तर तक के विद्यार्थियों में तीन भाषाओं में शैक्षणिक दक्षता, भाषायी कौशल तथा भारतीय भाषाओं और साहित्य की समझ विकसित करना है। शंकरानंद ने बताया कि तमिलनाडु और पुडुचेरी को छोड़कर भारत के अधिकांश राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पहले से ही कक्षा 6 से 10 अथवा कक्षा 8 से 10 तक तीन भाषा नीति का पालन कर रहे हैं। ये बोर्ड माध्यमिक स्तर पर तृतीय भाषा में कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा भी आयोजित कराते हैं। पिछले शैक्षणिक सत्र तक सीबीएसई में कक्षा 6 से 12वीं तक तीन भाषाएं और कक्षा 9 एवं 10वीं में केवल दो भाषाएं पढ़ाई जाती थीं, जिससे सीबीएसई और राज्य शिक्षा बोर्डों के विद्यार्थियों के बीच असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। नई व्यवस्था देशभर में स्कूली शिक्षा में समानता एवं भाषायी एकरूपता स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा एनसीएफ-एसई के प्रावधानों के अनुरूप सीबीएसई इस नीति को लागू कर रही है। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार विद्यार्थियों को कक्षा 1 से 5 तक दो भाषाएं (आर-1 और आर-2) तथा कक्षा 6 से 10 तक तीन भाषाएं (आर-1, आर-2 और आर-3) पढ़नी होंगी। इसमें भाषा चयन की सुविधा भी प्रदान की गई है तथा यह सुनिश्चित किया गया है कि तीन भाषाओं में से कम से कम दो भारतीय भाषाएं हों। उन्होंने बताया कि सीबीएसई से मान्यता प्राप्त विद्यालय स्वाभाविक रूप से बहुभाषी हैं, जहां विभिन्न भाषायी परिवेश वाले राज्यों के विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। इस विविधता को ध्यान में रखते हुए सीबीएसई वर्तमान में 44 भाषाओं को पाठ्यक्रम में शामिल कर चुका है, जिनमें संविधान की अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाएं तथा 9 विदेशी भाषाएं शामिल हैं। त्रिभाषा सूत्र विद्यार्थियों और भारत के भविष्य के लिए हितकारी है। भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय अध्यक्ष सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि भारत बहुभाषिक संस्कृति वाला देश है। अधिकांश देशों में लोग अपनी मातृभाषा में संवाद करना पसंद करते हैं। त्रिभाषा सूत्र के माध्यम से विद्यार्थी अपनी मातृभाषा, क्षेत्रीय भाषा और एक विदेशी भाषा का अध्ययन करेंगे, जो उनके मानसिक विकास एवं कौशल दक्षता की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी होगा। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तैयार की जा रही थी, तब देशभर के शिक्षाविदों, विद्वानों और मनीषियों ने इन सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार किया था। इसके बाद विद्यार्थियों के हित और अध्ययन की सुगमता को ध्यान में रखते हुए नीति का निर्माण किया गया। त्रिभाषा सूत्र भारतीय भाषाओं के संरक्षण और विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वर्चुअल माध्यम से आयोजित इस बैठक में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय स्तर से लेकर जिला टोली स्तर तक देशभर के 45 प्रांतों के 950 कार्यकर्ता शामिल हुए।

संपादकीय

लाख सपनों के बीच व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल

एक तरह से यह स्वीकार कर लिया गया है कि सरकार का मौजूदा तंत्र इस परीक्षा का स्वच्छ तरीके से संचालन कर पाने में सक्षम नहीं है और इसीलिए सेना के सहारे नीट-यूजी परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करने की कोशिश की जाएगी।

किसी भी परीक्षा के दौरान अगर प्रश्नपत्र लीक होता है या अन्य कोई गड़बड़ी होती है, तो इसका मतलब यही है कि उसके संचालन से जुड़ा तंत्र परीक्षा की शुचिता को सुनिश्चित कराने में नाकाम रहा। हाल ही में प्रश्नपत्र लीक होने के बाद नीट-यूजी परीक्षा को जिस तरह रद्द किया गया, उससे साफ है कि पहले हुई ऐसी कई घटनाओं के बावजूद आयोजन में हर हाल में शुचिता तय करने को लेकर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानी एनटीए ने जरूरी सबक नहीं सीखा। नतीजतन, नीट की परीक्षा के प्रश्नपत्र फिर अवैध रूप से बाहर हुए और ऊंची कीमतों पर बेचे गए। विडंबना यह है कि इस भ्रष्ट लेन-देन और इसके जरिए परीक्षा में कामयाब होने की कोशिश करने वाले कुछ लोगों की करतूतों का खमियाजा करीब बाईस लाख उन विद्यार्थियों को उठाना पड़ा, जिन्होंने ईमानदारी से अपनी मेहनत के बूते परीक्षा दी थी। ऐसे विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की पीड़ा प्रश्नपत्र लीक करने और उसका फायदा उठाने वाले गिरोहों की हरकत के खुलासे से उपजे शोर में दब कर रह गई। विचित्र है कि इस घटना की परतें खुलने के बाद शीर्ष स्तर पर इसकी जिम्मेदारी तय करने तथा संचालन के तंत्र में पाई गई खामी को पूरी तरह दुरुस्त करने या इस मसले पर अधिकतम सख्ती बरतने के बजाय सुरक्षित तरीके से परीक्षा कराने के लिए अब सेना का सहारा लेने की खबर आई है। यानी एक तरह से यह स्वीकार कर लिया गया है कि सरकार का मौजूदा तंत्र इस परीक्षा का

स्वच्छ तरीके से संचालन कर पाने में सक्षम नहीं है और इसीलिए सेना के सहारे नीट-यूजी परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करने की कोशिश की जाएगी। गौरतलब है कि नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने से जुड़े मामले में पूरी प्रक्रिया की समीक्षा के लिए हुई बैठक में प्रश्नपत्र तैयार करने और उनकी छपाई से लेकर परिवहन, सुरक्षा और परीक्षा केंद्र तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने के सभी पहलुओं पर विचार किया गया। इसके बाद अब 21 जून को दोबारा होने वाली नीट परीक्षा में प्रश्नपत्रों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए वायुसेना की मदद लेने पर सहमति बनी।

अगर यह प्रस्ताव अमल में आता है, तो किसी राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा के आयोजन और संचालन में सेना के औपचारिक रूप से शामिल होने का यह पहला मौका होगा। सवाल है कि इससे पहले नीट या अन्य परीक्षाओं में हुई गड़बड़ियों का उदाहरण सामने होने के बावजूद यह स्थिति आखिर क्यों पैदा हुई कि सरकार को परीक्षा के स्वच्छ संचालन के लिए अपने तंत्र और पुलिस पर भरोसा नहीं रहा। हालांकि खबरों के मुताबिक सेना की भूमिका केवल लॉजिस्टिक समन्वय, आपातकालीन स्थितियां पैदा होने या मौसम में तेज उतार-चढ़ाव के बीच सुरक्षित परिवहन तक सीमित रहने की बात कही गई है और परीक्षा की निगरानी सेना से नहीं कराई जाएगी। मगर यह देखने की बात होगी कि सेना की मदद का दायरा क्या होता है। आमतौर पर किसी प्राकृतिक आपदा से हुई तबाही और अन्य आपात स्थितियों में युद्ध स्तर पर बचाव कार्य आदि के लिए जरूरत पड़ने पर सरकार सेना या सशस्त्र बलों को तैनात करती रही है। यह एक अफसोसनाक स्थिति है कि आज के दौर में परीक्षाओं के संचालन के मामले में पहले के मुकाबले बेहतर संसाधनों, हर स्तर पर निगरानी की तकनीकी सुविधा और व्यापक डिजिटल तंत्र के बावजूद प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं हो रही हैं और इसे रोकने के लिए सरकार के सामने सेना की मदद लेने की नौबत है।

दर्द-ए-ला-दवा

जो ज़ख़्म दिल को मिले, हम छुपाए बैठे हैं,
ज़ीस्त अपनी तमाम महफ़िलों में लुटाए बैठे हैं।

वो आ के पूछ रहे हैं हाल-ए-दिल अब मेरा,
ख़ुद ही दाग़ दामन में जो लगाए बैठे हैं।

मंज़िलों की चाहत में कहाँ से कहाँ पहुँचे,
सफ़र के मोड़ पर सब कुछ गँवाए बैठे हैं।

न कोई ख़्वाब बचा है, न अब आरज़ू कोई,
हम अपनी राख में चिंगारी छुपाए बैठे हैं।

नसीब मेरा तुम्हारी हसरतों में खोया है,
तुम्हें हाथों की लकीरों में सजाए बैठे हैं।

ग़म-ए-हयात के पत्थर, रास्तों से मेरे हट जाओ,
ज़ख़्मों पर मुश्ताक़ हम तो नमक लगाकर बैठे हैं।

-डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह -सहज़
हरदा, मध्य प्रदेश

आज का कार्टून

जीवन, श्रम और बुनियादी ढांचे को एक साथ चुनौती दे रही है गर्मी

गर्मी लोगों के जीवन, आजीविका और बुनियादी ढांचे के सभी पहलुओं को प्रभावित कर रही है। अब तक ग्यारह से अधिक राज्य इसे राज्य आपदा घोषित कर चुके हैं। सोलहवें वित्त आयोग ने भी लू को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का सुझाव दिया है। इस समय उत्तर और मध्य भारत का एक बड़ा हिस्सा भीषण लू की चपेट में है। कई जगहों पर तापमान 44-46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। भारत जैसे देश के लिए गर्मी कोई नई बात नहीं है, लेकिन इसके साथ हमारा रिश्ता अब बदल रहा है। ऐसा इसलिए है कि इंसानों ने वैश्विक जलवायु को बदल दिया है।

शालू अग्रवाल

बीते दस साल पूरी दुनिया में अब तक के सबसे गर्म साल रहे हैं। हमने अपने आसपास की जलवायु को भी बदल दिया है। हमने अपने घर और शहर बनाने का तरीका, अपनी जीवनशैली और प्रकृति के साथ अपने रिश्ते को भी बदल दिया है। इसकी वजह से बढ़ती गर्मी के हिसाब से खुद को ढालना अब हमारे लिए और भी मुश्किल हो गया है।

असल में गर्मी कितनी बढ़ी है, यह जानने के लिए 1981-2024 के जलवायु आंकड़ों का अध्ययन किया गया, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंच 'क्रेविस' पर उपलब्ध है। इसमें कुछ चौंकाने वाले नतीजे सामने आए। पहला, प्रत्येक चार में से तीन भारतीय ऐसे राज्यों में रहते हैं, जहां हर साल भीषण गर्मी का खतरा बना रहता है। दूसरा, बहुत अधिक गर्म दिनों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन बहुत अधिक गर्म रातों की संख्या इससे भी अधिक तेजी से बढ़ रही है। यह खासतौर पर घनी आबादी वाले जिलों और शहरी क्षेत्रों में देखा जा रहा है।

वर्ष 2010 में दिल्ली में जहां हर साल सोलह बहुत गर्म रातें होती थीं, वहीं उच्च उत्सर्जन की स्थिति में वर्ष 2050 तक इनकी संख्या बढ़कर प्रतिवर्ष इक्यावन हो सकती है। इसका इंसान के स्वास्थ्य पर बहुत गंभीर प्रभाव पड़ता है। शरीर और शहर, दोनों को रात के वक्त दिन की गर्मी से राहत नहीं मिल पाती है। इससे वातानुकूलन या ठंडक देने वाली सुविधाओं के बगैर कम हवादार इमारतों में रहने या इनमें काम करने वाले लोगों पर सबसे ज्यादा असर डालता है। तीसरा, गर्मी के मौसम में उमस (आर्द्रता) बढ़ रही है। ऐसा उत्तर भारत और सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में विशेष रूप से देखा जा रहा है।

ग्यारह से अधिक राज्य इसे राज्य आपदा घोषित कर चुके हैं

गर्मी लोगों के जीवन, आजीविका और बुनियादी ढांचे के सभी पहलुओं को प्रभावित कर रही है। अब तक ग्यारह से अधिक राज्य इसे राज्य आपदा घोषित कर चुके हैं। सोलहवें वित्त आयोग ने भी लू को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का सुझाव दिया है। इस 'मूक आपदा' का प्रभावी तरीके से सामना करने में चार कदम उपयोगी साबित हो सकते हैं। सबसे पहले, शहरी प्रशासकों को गर्मी का सामना करने के लिए स्थानीय स्तर पर योजनाएं बनानी होंगी। गर्मी का असर सभी जगहों पर एक जैसा नहीं होता है। यह स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों और सामाजिक-आर्थिक और बुनियादी ढांचे की स्थितियों के अनुसार अलग-अलग होता है। इसलिए स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखकर योजना बनाना बहुत जरूरी है। इसका उदाहरण महाराष्ट्र का ठाणे नगर निगम है, जहां पिछले दो वर्षों से 'हीट एक्शन प्लान' लागू है।

यह योजना बताती है कि गर्मी से बचाव के लिए कब, कहां और किसे कदम उठाना है। इसके तहत ऐतिहासिक जलवायु आंकड़ों का अध्ययन करके गर्मी के जोखिम का पता लगाया गया और फिर उसके आधार पर अलग-अलग वार्डों को चिह्नित किया गया। इसके अलावा, महसूस होने वाली गर्मी और रात्रिकालीन तापमान के आधार पर प्रत्येक वार्ड में स्थानीय स्तर पर प्रारंभिक चेतावनी जारी करने के लिए तापमान की सीमा भी तय की गई। ठाणे शहर में इस योजना को लागू करने के लिए विभिन्न विभागों का एक संयुक्त कार्यबल बनाया गया है।

इसके पास अलग से बजट भी है। लू चलने पर यह कार्यबल सुनिश्चित करता है कि ठाणे शहर में निशुल्क प्याऊ लगाए जाएं, अधिक भीड़-भाड़ वाले चौराहों, जहां पर लोगों को यातायात संकेतकों की वजह से देर तक रुकना पड़ता है, वहां 'हरित छांव' की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा, प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों के जरिए वार्ड स्तर पर गर्मी से बचाव के उपायों पर जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जा सकता है। ऐसी कार्ययोजना को भीषण गर्मी की चुनौती से जूझ रहे सभी शहरों में लागू करने की जरूरत है।

दूसरा, सभी कारोबारों को अपने व्यवसाय से जुड़ी योजनाओं में गर्मी से बचाव को शामिल करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, 2030 तक गर्मी और उमस के कारण लोग ठीक से काम नहीं कर पाएंगे, यानी कामकाजी घंटों का नुकसान होगा। इससे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.5 फीसद के बराबर नुकसान हो सकता है। वर्ष 2025 में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सभी राज्यों और नियोक्ताओं को परामर्श जारी किया था। इसमें श्रमिकों, खासतौर पर खुले स्थान पर और कठिन परिश्रम करने वालों को गर्मी से बचाने वाले उपायों को लागू करने के लिए कहा गया था।

गर्मी से न केवल श्रमिकों की सेहत, बल्कि मशीनों की कार्यक्षमता, आपूर्ति श्रृंखला और पानी तथा ऊर्जा का बजट भी प्रभावित होता है। कई भारतीय कंपनियों ने इस दिशा में प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसमें गर्मी के खतरे से ज्यादा प्रभावित लोगों की पहचान की गई है। आराम के लिए छायादार जगह बनाने, लगातार पानी पीते रहने का नियम और काम करने की पालियों में बदलाव लागू किए गए हैं। ऐसे प्रयासों को तत्काल बड़े पैमाने पर लागू करने की जरूरत है। तीसरा, बिजली कंपनियों को अपने बिजली संयंत्र और नेटवर्क को गर्मी से सुरक्षित बनाना होगा। भीषण गर्मी से बचाव में भरोसेमंद और किफायती बिजली आपूर्ति की अहम भूमिका है। हर साल लू चलने के साथ लोग बड़ी संख्या में एसी और कूलर खरीदते हैं। गर्मी, उमस और बिजली में नई मांग आने के कारण विद्युत वितरण नेटवर्क और ट्रांसफार्मर पर अचानक बोझ बढ़ जाता है। वर्ष 2025 में अत्यधिक बोझ और नमी आने के कारण लगभग दस फीसद, यानी तेरह लाख ट्रांसफार्मर खराब हो गए थे। इसके समाधान के लिए ये कदम उठाए जा सकते हैं- पहला, बिजली कंपनियों को अत्यधिक गर्मी वाले क्षेत्रों में अपने नेटवर्क को पहले से मजबूत करना चाहिए। दूसरा, बिजली कंपनियों को बिजली की मांग का आकलन करते समय रात के समय के अधिक तापमान और एसी के अधिक इस्तेमाल को भी ध्यान में रखना चाहिए। तीसरा, बिजली की बहुत अधिक मांग एक साथ न आए, इसके लिए अलग-अलग समय के लिए अलग-अलग बिजली दरों की व्यवस्था को लागू करने जैसे सुधार करने चाहिए। चौथा, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने से भी बिजली की अतिरिक्त मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

सरकारों को सार्वजनिक और निजी निवेशों को गर्मी से बचाव के उपायों की दिशा में ले जाना होगा। साथ ही, गरीब और कमजोर वर्गों, फसलों, पशुओं, जंगलों और घरों, स्कूलों व अस्पतालों को लंबी गर्मी से बचाने के उपाय भी खोजने होंगे। प्रत्येक सरकारी योजना में गर्मी से बचाव की रणनीति को शामिल कर इसकी शुरुआत की जा सकती है, लेकिन व्यापक समाधानों को पाने के लिए निजी निवेश को शोध और विकास के साथ-साथ तापरोधी फसलों, निर्माण सामग्री और ऊर्जा कुशल शीतलन तकनीकों के व्यवसायीकरण की दिशा में मोड़ना होगा। हर साल भारत का गर्मी के साथ रिश्ता बदल रहा है, लेकिन गर्मी का सामना करने की क्षमता विकसित करना न तो आसान होगा, न ही सस्ता। ऐसे में अगर राष्ट्रीय स्तर पर जनभागीदारी आए, तो यह इसका सामना करने के लिए अच्छी तरह तैयार होने में मदद कर सकता है। देश में भीषण गर्मी के बीच मॉनसून को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। मौसम विभाग ने अपने नए अनुमान में कहा है कि इस साल भारत में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दौरान लंबी अवधि की औसत बारिश का करीब 90 फीसदी बारिश हो सकती है। यानी इस बार मॉनसून सामान्य से थोड़ा कमजोर रह सकता है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को जारी अपने दूसरे मॉनसून पूर्वानुमान में बताया कि पूर्वोत्तर भारत में सामान्य बारिश होने की संभावना है, लेकिन देश के बाकी हिस्सों में बारिश सामान्य से कम रह सकती है। इससे पहले 13 अप्रैल को जारी पहले अनुमान में मौसम विभाग ने 92 फीसदी बारिश का अनुमान जताया था, जिसे अब घटाकर 90 फीसदी कर दिया गया है।

मिजोरम का ट्रैफिक वहां के शांत नागरिकों की पहचान, लेकिन भोपाल का ट्रैफिक देता है देश को अनुभवी योद्धा

जब सांसों से सांस टकराने लगे तो समझ जाए आप भोपाल के ट्रैफिक में हैं

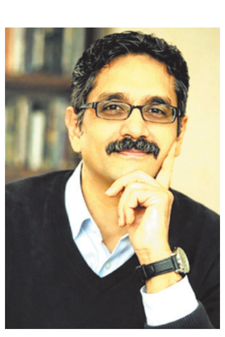

-सुशील कुमार जैन
लेखक एवं स्तंभकार

सड़क यातायात में लापरवाही के कारण निर्दोष लोगों की जान जाना केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि समाज के प्रति सबसे बड़ा अपराध है।

कुछ समय पहले मिजोरम और वहां की ट्रैफिक व्यवस्था के बारे में पढ़ने और समझने का अवसर मिला। वहां की सड़कें भले पहाड़ी और संकरी हों, लेकिन लोगों का व्यवहार इतना व्यवस्थित और शांत होता है कि पहली नजर में विश्वास ही नहीं होता कि यह भी भारत का ही हिस्सा है। वहां वाहन चालक हॉर्न कम बजाते हैं, एक-दूसरे को रास्ता देते हैं और यदि सामने से कोई वाहन आ जाए तो सहजता से रुककर उसे निकलने देते हैं। वहां ट्रैफिक देखकर ऐसा महसूस होता है जैसे लोग वाहन नहीं, संस्कार चला रहे हों।

लेकिन जैसे ही भोपाल लौटकर यहां की सड़कों पर प्रवेश हुआ, आत्मा को तत्काल भारतीय यथार्थ का विराट दर्शन हो गया।

भोपाल में सड़क चाहे दो फीट की हो या बीस फीट की, दोनों दिशाओं से वाहन ऐसे घुसते हैं जैसे सीमा पर कोई युद्ध चल रहा हो। यदि सामने से कोई वाहन आ जाए तो दोनों पक्षों के चेहरों पर एक ही भाव दिखाई देता है कि हटेगा दूसरा ही, मैं क्यों हटूं। फिर दोनों वाहन सड़क के बीचों-बीच आमने-सामने ऐसे खड़े हो जाते हैं जैसे कोई शांति वार्ता विफल हो चुकी हो।

पीछे धीरे-धीरे लंबा जाम लग जाता है। सौ-दो सौ वाहन जमा हो जाते हैं, लेकिन किसी के चेहरे पर चिंता नहीं होती। सबके भीतर केवल एक ही महान संकल्प जीवित रहता है कि चाहे ट्रैफिक रुक जाए, लेकिन गाड़ी पीछे नहीं जाएगी।

भोपाल की सड़कों का सबसे अद्भुत दृश्य तब देखने को मिलता है जब कहीं थोड़ी सी भी जगह बची हो। सामान्य व्यक्ति सोचता है कि चलो रास्ता थोड़ा खुला है, लोग आराम से निकल जाएंगे। लेकिन भोपाली ट्रैफिक योद्धा उस खाली स्थान को राष्ट्रीय संपत्ति मानकर तुरंत अपनी बाइक, स्कूटी, ऑटो या कार उसमें पूरी श्रद्धा के साथ घुसा देते हैं। परिणाम यह होता है कि जो रास्ता पहले थोड़ा खुला था, वह कुछ ही क्षणों में इस प्रकार पैक हो जाता है कि वहां से हवा निकलने के लिए भी अनुमति लेनी पड़े।

पैदल आदमी की तो बात ही छोड़ दीजिए, कई बार वाहन चालक आपस में इतने नजदीक आ जाते हैं कि सांसों से सांस टकराने लगती है। स्थिति ऐसी बन जाती है कि कुछ क्षणों के लिए स्वयं को भी समझ नहीं आता कि आखिर हम अपनी गाड़ी में बैठे हैं या सामने वाले की। पूरा दृश्य ऐसा प्रतीत होने लगता है मानो किसी फिल्म का अत्यधिक भावुक रोमांस सीन चल रहा हो, फर्क सिर्फ इतना होता है कि यहां बैकग्राउंड में संगीत की जगह लगातार हॉर्न बज रहे होते हैं।

अब यदि तुलना की जाए तो मिजोरम की सड़कें निश्चित रूप से अनुशासन सिखाती हैं, लेकिन भोपाल की सड़कें जीवन का वास्तविक रोमांच सिखाती हैं। मिजोरम में लोग धैर्य सीखते हैं, जबकि भोपाल में व्यक्ति प्रतिदिन मानसिक संतुलन, ब्रेक, क्लच, हॉर्न और संयम का संयुक्त अभ्यास करता है। मिजोरम में वाहन चालक नियमों के सहारे चलते हैं, जबकि भोपाल में लोग अनुमान, साहस और किस्मत के भरोसे सड़क पार करते हैं।

फिर भी भोपाल प्यारा है, क्योंकि यहां हर चौराहे पर नया चरित्र मिलता है, हर जाम में नया अनुभव और हर मोड़ पर नया रोमांच। मिजोरम सिखाता है कि सड़क पर धैर्य भी संस्कृति हो सकता है, लेकिन भोपाल यह सिखाता है कि यदि चार वाहन एक साथ एक ही जगह घुस जाएं तो भी भारतीय व्यवस्था किसी न किसी तरह चल ही जाती है।

अच्छे-खासे लेख में पता नहीं कहां से धर्मपत्नी जी भी आ धमकीं और पूरा ट्रैफिक विश्लेषण सुनने के बाद बोलीं - अब आपका मिजोरम और भोपाल वाला ट्रैफिक रोमांस खत्म हो गया हो तो मैं भी कुछ काम की बात लिख दूं।

मैंने कहा, तुम भी अपनी हसरत पूरी कर लो।

फिर धर्मपत्नी जी बोलीं -अब आप लोग काम की बात सुनो।

हर वर्ष दुनियाभर में लगभग 12 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा देते हैं और लगभग 5 करोड़ लोग घायल होते हैं। हर चार में से एक से अधिक मौतें पैदल यात्रियों और साइकिल चालकों की होती हैं। दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों की आयु प्रायः 5 से 29 वर्ष के बीच होती है। कुल मौतों में पैदल यात्रियों की संख्या लगभग 21 प्रतिशत और साइकिल चालकों की 5 प्रतिशत है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि सड़क दुर्घटनाएं केवल परिवहन समस्या नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक और मानवीय संकट हैं।

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार 70 प्रतिशत से अधिक सड़क दुर्घटनाओं का कारण ओवरस्पीडिंग है। शराब पीकर वाहन चलाना और गलत दिशा में ड्राइविंग करना भी दुर्घटनाओं के बड़े कारण हैं।

अब हमें भी सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कुछ सावधानियों को अपने व्यवहार में शामिल करना होगा-

वाहन की गति हमेशा नियंत्रण में रखें।

कॉल आने पर वाहन साइड में खड़ा करके ही बात करें।

गाड़ी चलाते समय रील, फोटो या वीडियो न बनाएं।

यदि चालक फोन का उपयोग कर रहा हो तो उसे तुरंत टोकें।

निर्धारित गति सीमा का पालन करें।

हमेशा अपनी लेन में चलें और अनावश्यक ओवरटेक न करें।

लेन बदलते समय इंडिकेटर का प्रयोग करें।

लाल बत्ती का उल्लंघन न करें।

कार चलाते समय सीट बेल्ट और बाइक चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें।

कभी भी शराब पीकर वाहन न चलाएं।

अगर हम भी नियमों का पालन करेंगे तो एक दिन मिजोरम की तरह मध्यप्रदेश और भोपाल को भी बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था के लिए सम्मान मिलेगा और हम वास्तव में अच्छे नागरिक बन पाएंगे।

लेखक : अच्छा हुआ धर्मपत्नी जी ने मेरा लेख संभाल लिया, वरना आज मैं तो भोपाल ट्रैफिक और रोमांस में बहक ही गया था।

सार-समाचार

भैरूंदा पुलिस ने नाबालिग अपहृत बालिका को इंदौर से बरामद किया, आरोपी गिरफ्तार

अनोखा तीर, भैरूंदा। थाना भैरूंदा पुलिस ने नाबालिग बालिका के अपहरण के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे इंदौर से सकुशल बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 14 मई 26 को एक फरियादी ने अपनी नाबालिग पुत्री के बिना बताए घर से चले जाने की सूचना दी थी। इस पर थाना भैरूंदा में अपराध क्रमांक 256/26 के तहत धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सोनाक्षी सक्सेना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनीता रावत तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) रोशन कुमार जैन के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी घनश्याम दांगी ने विशेष टीम गठित की। साइबर सेल की सहायता से टीम ने संभावित स्थानों पर तलाश की। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 30 मई 26 को इंदौर के देवनगर स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर क्षेत्र से नाबालिग बालिका को बरामद कर आरोपी नरवत उईके (26), निवासी ग्राम हबीबनगर, थाना भैरूंदा, जिला सीहोर को गिरफ्तार किया। पुलिस जांच में प्राप्त तथ्यों के आधार पर प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता की अन्य धाराओं एवं पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं का भी समावेश किया गया है। बालिका का चिकित्सीय परीक्षण कराने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक पूजा सिंह राजपूत, सहायक उपनिरीक्षक सुंदरलाल सरयाम, आरक्षक प्रकाश नर्रे, महिला आरक्षक प्रीति काजले तथा साइबर सेल सीहोर की सराहनीय भूमिका रही।

परंपरागत कृषि विकास योजना पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

अनोखा तीर, खंडवा। किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य सुधार, उत्पादन लागत में कमी तथा कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन और विपणन संबंधी जानकारी देने के उद्देश्य से रविवार को कृषि महाविद्यालय खंडवा में परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात का प्रसारण भी सुना। कार्यशाला में खालवा एवं पंधाना विकासखंड के किसानों के साथ भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सेवा दास पटेल, उपसंचालक कृषि नीतेश यादव, कृषि महाविद्यालय के डीन डीके वाणी, उप संचालक पशुपालन डॉ. हेमंत शाह, एलडीएम गणेश ताईकर, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड खेरनार, सहायक संचालक कृषि दीपक मंडलोई, लक्ष्मण सिंह निगवाल, जितेन्द्र सिंह रावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में किसानों को परंपरागत कृषि विकास योजना के उद्देश्यों, जैविक खेती की तकनीकों, क्लस्टर गठन, जैविक प्रमाणीकरण, विपणन व्यवस्था, कृषि आधारित उद्यमिता तथा ई-विकास प्रणाली के अंतर्गत ई-टोकन के माध्यम से उर्वरक प्राप्त करने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यशाला में किसानों से जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया गया। साथ ही कृषि विशेषज्ञों ने किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान कर उन्हें आधुनिक एवं टिकाऊ खेती के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में अनुविभागीय अधिकारी कृषि लोकेन्द्र सिंह मंडलोई ने आभार व्यक्त किया।

तंबाकू निषेध दिवस पर निकाली रैली, युवाओं को दिलाई नशामुक्ति की शपथ

अनोखा तीर, खंडवा। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को जन अभियान परिषद द्वारा जिले में विभिन्न स्थानों पर नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान रैली निकालकर युवाओं एवं ग्रामीणों को तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया तथा नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। खंडवा में आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य एवं अन्य अतिथियों ने तंबाकू सेवन से होने वाले शारीरिक और सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी। परामर्शदाता प्रभु मसानी ने उपस्थित युवाओं को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। वहीं खालवा सेक्टर क्रमांक-1 के ग्राम कालाआम खुर्द में नवांकुर संस्था सत्य प्रबोधन सामाजिक शैक्षिक संस्थान एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष विनीत लौवंशी ने नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला, जबकि संस्था सचिव चमन लौवंशी ने ग्रामीणों को नशामुक्त रहने का संकल्प दिलाया। इसी क्रम में विकासखंड पंधाना के ग्राम जामली कला में परामर्शदाता दीपक यादव ने नवांकुर संस्था अक्षर ज्योति शिक्षा एवं जन सेवा समिति के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें ग्रामीणों और विद्यार्थियों को तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों से होने वाले नुकसान की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर होमगार्ड लाइन में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अनोखा तीर, खंडवां। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिला होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ कार्यालय खंडवा में तंबाकू तथा अन्य नशीले पदार्थों के सेवन के विरुद्ध जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में होमगार्ड बल, एसडीआरएफ दल, आपदा मित्र, सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स एवं कार्यालयीन अधिकारियों-कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कमांडेंट आशीष कुशवाहा ने तंबाकू सेवन से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य दुष्परिणामों, कैंसर सहित विभिन्न घातक बीमारियों तथा नशे से उत्पन्न सामाजिक बुराइयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से नशामुक्त जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर कार्यालयीन स्टाफ, प्लाटून कमांडर्स, होमगार्ड सैनिकों, एसडीआरएफ जवानों, आपदा मित्रों एवं सिविल डिफेंस वॉलेंटियर्स ने उत्साहपूर्वक हस्ताक्षर अभियान में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सभी को तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करने तथा स्वस्थ, अनुशासित एवं जागरूक जीवन जीने की शपथ दिलाई गई।

ठेकेदारों पर मेहरबानी या कमीशन का खेल?

● विकास के नाम पर करोड़ों का खेल ● आखिर किसके इशारे पर चल रही परिषद?

अनोखा तीर, खरगोन। नगर पालिका परिषद की पीआईसी बैठक का एजेंडा सामने आते ही नगर की राजनीति में भूचाल आ गया है। करोड़ों रुपए के निर्माण कार्य, आउटसोर्सिंग के दर्जनों प्रस्ताव, वाहन खरीदी, सफाई व्यवस्था और बार-बार निरस्त हो रही निविदाओं के बीच अब अध्यक्ष छाया जोशी की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में आ गई है। नगर पालिका के भीतर ही कई विपक्षी पार्षदों और कुछ सदस्यों ने खुलकर नाराजगी जताते हुए आरोप लगाए हैं कि परिषद में पारदर्शिता की जगह मनमानी हावी होती जा रही है। आलोचकों का कहना है कि जब एक के बाद एक ठेकेदार निर्धारित समय-सीमा में अनुबंध नहीं कर रहे हैं, निविदाएं निरस्त हो रही हैं और करोड़ों रुपए के प्रस्ताव लगातार सामने आ रहे हैं, तब जवाबदेही तय करने की बजाय फाइलों में केवल विचार एवं निर्णय लिखकर मामला निपटाया जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या नगर पालिका अब जनता के हित में चल रही है या फिर ठेकेदारों और आउटसोर्स एजेंसियों के लिए काम कर रही है?

ठेकेदारों पर कार्रवाई क्यों नहीं?

नगर पालिका के भीतर और बाहर एक चर्चा तेजी से फैल रही है कि ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई से लगातार बचा जा रहा है। भाजपा और विपक्षी पार्षदों के बीच यह आरोप खुलकर सुनाई दे रहा है कि कुछ ठेकेदारों के साथ कथित नजदीकियों और साठगांठ के कारण कठोर निर्णय लेने से परहेज किया जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में तो यहां तक कहा जा रहा है कि ठेकेदारों से मिलने वाले कथित भारी-भरकम कमीशन के कारण कार्रवाई की फाइलें आगे नहीं बढ़ पा रही हैं।

जिम कांड पर मौन ने बढ़ाए नए संदेह

नगर पालिका में चल रहे विवादों के बीच कथित जिम कांड भी एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है। सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट, वीडियो और आरोपों की चर्चा के बावजूद अध्यक्ष छाया जोशी की ओर से अब तक कोई स्पष्ट सार्वजनिक जवाब सामने नहीं आया है। विपक्षी पार्षदों का कहना है कि यदि आरोप निराधार हैं, तो अध्यक्ष को सामने आकर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और यदि कोई अनियमितता हुई है, तो जनता को सच जानने का अधिकार है।

जनता के सामने हमारे हाथ में कुछ नही

सबसे बड़ा विरोधाभास यह बताया जा रहा है कि जब कोई आम नागरिक अपनी समस्या लेकर अध्यक्ष छाया जोशी के पास पहुंचता है, तो उन्हें अक्सर यह कहकर टाल दिया जाता है कि यह काम सीएमओ का है या हमारे हाथ में कुछ नहीं है। लेकिन नगर पालिका में चर्चा इसके ठीक उलट है। नगर परिषद के भीतर यह सवाल उठ रहा है कि यदि अध्यक्ष के पास अधिकार नहीं हैं, तो फिर करोड़ों रुपए के विकास कार्यों, ठेकों, वित्तीय स्वीकृतियों और महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णयों में उनकी सक्रिय भूमिका कैसे दिखाई देती है? आखिर विकास कार्यों के समय तो सब कुछ संभव हो जाता है, लेकिन जब जनता के हित, शिकायतों के निराकरण और विवादित मामलों में कार्रवाई की बात आती है, तब जिम्मेदारी सीएमओ के पाले में क्यों डाल दी जाती है? **काम हो तो साथ-साथ, जवाबदेही आए तो अलग-अलग :** नगर पालिका के जानकारों का कहना है कि जब किसी निर्माण कार्य, ठेके, भुगतान या प्रशासनिक प्रस्ताव को मंजूरी दिलाने की बात होती है, तब अध्यक्ष और प्रशासनिक अमला एकजुट दिखाई देता है। लेकिन जब जनता जवाब मांगती है, भ्रष्टाचार या अनियमितता के आरोप लगते हैं अथवा कार्रवाई की मांग होती है, तब दोनों पक्ष एक-दूसरे के पाले में गेंद डालने लगते हैं।

नाहरमाल अग्निकांड पीड़ितों की मदद को आगे आए समाजसेवी

अनोखा तीर, खंडवा। जिले के ग्राम नाहरमाल में हाल ही में हुए भीषण अग्निकांड से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों ने मदद का हाथ बढ़ाया है। आगजनी की इस घटना में कई गरीब परिवारों के मकान, घरेलू सामान, बर्तन एवं दैनिक उपयोग की वस्तुएं जलकर नष्ट हो गई थीं। अग्निकांड की सूचना मिलने पर पंधाना विधायक छाया मोरे प्रभावित परिवारों से मिलने गांव पहुंचीं। उन्होंने पीड़ितों की समस्याएं सुनीं और हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। विधायक द्वारा स्वीकृत आर्थिक सहायता से प्रभावित परिवारों को अपने आशियानों के पुनर्निर्माण में मदद मिलेगी। समाजसेवी एवं प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि जिले की विभिन्न धर्म, समाज और जातियों से जुड़ी महिलाओं एवं नागरिकों ने राहत सामग्री पहुंचाकर पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस सहयोग से प्रभावित परिवारों को कठिन समय में बड़ा संबल मिला है। पीड़ित परिवारों ने समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मिले सहयोग ने

उन्हें दोबारा जीवन को व्यवस्थित करने का हौसला दिया है। सहायता कार्य में डॉ. पिंकी राठौर, सुधा दुबे, डॉ. भारती पाराशर, संगीता सोनवाने, दीपमाला पाण्डेय, आशा सेंगर, मोनिका शर्मा, शालिनी अग्रवाल, रंजना शर्मा, निहारिका बंसल, रानी गुप्ता, राजमाला आर्य, विनिशा मोटवानी, मालती तिवारी, अनामिका अग्रवाल, वंदना गुप्ता, प्रमिला शर्मा, राखी शुक्ला, अर्चना तिवारी, स्नेहा पटेल, वेदवती पाल, सीमा तिवारी, मनोरमा तिवारी, सीमा भट्ट, अंजनी शुक्ला, सोनिया उपाध्याय, संगीता जैन, आकांक्षा शुक्ला, मनन जैन, मनीष अग्रवाल, प्रिंस जिंदल सहित अन्य समाजसेवियों का विशेष योगदान रहा।

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. सिंह ने कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

● **प्रदेश प्रभारी के सवालों के जवाब में कार्यकर्ताओं का छूटा पसीना**

अनोखा तीर, बड़वाह। आज भाजपा सरकार का हर तरफ डंका बज रहा है। जबकि कहने को भाजपा बहुत मजबूत संगठन है और उसके हर कार्यकर्ता के पास हर सवाल का जवाब है, लेकिन शनिवार शाम बड़वाह के उत्सव गार्डन में जो हुआ, उसने नेताओं की तैयारियों की पोल खोलकर रख दी। ऐसा इसलिए क्योंकि भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह शनिवार शाम बड़वाह में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ एक बैठक करने आए थे। इस दौरान नेताओं को लगा कि साहब आएंगे, फूल-माला पहनेंगे, फोटो खिंचवाएंगे और पीठ थपथपाकर चले जाएंगे। लेकिन कार्यकर्ताओं के इन मंसूबों पर उस समय गाज गिरी, जब डॉ. महेंद्र सिंह अपने कड़क अंदाज में दिखाई दिए। उन्होंने बैठक में उपस्थितजनों की ऐसी क्लास ले डाली कि अच्छे-अच्छे दिग्गज नेता और कार्यकर्ता बगलें झांकने लगे। उल्लेखनीय है कि शनिवार शाम करीब 5:30 बजे जैसे ही प्रदेश प्रभारी महेश्वर रोड स्थित गार्डन पहुंचे, स्थानीय नेताओं ने फूल-मालाओं और भाजपा के भगवा दुपट्टों से उनका जोरदार स्वागत-अभिनंदन किया। लेकिन असली खेल इसके बाद शुरू हुआ। मई की गर्मी में लोग कूलर की ठंडी हवा का आनंद ले रहे थे, तभी प्रदेश प्रभारी ने सबसे पहले मंच सहित हॉल के सभी कूलर बंद करवा दिए। उन्होंने साफ कहा कि पहले पीएम मोदी के बिजली और ईंधन बचाने के संकल्प को खुद के जीवन में उतारो। कूलर बंद होते ही पंडाल में बैठे नेताओं के पसीने छूटने लगे।

क्षेत्र, पार्टी और सरकार की योजनाओं की जानकारी उंगलियों पर होना आवश्यक : कूलर बंद करने के बाद डॉ. महेंद्र सिंह ने कार्यकर्ताओं की परीक्षा लेनी शुरू की। उन्होंने पूछा - भाजपा का इतिहास क्या है...? पार्टी की रीति-नीति क्या है...? महेश्वर, नर्मदा, उज्जैन और केंद्र-राज्य सरकार की योजनाओं के आंकड़े क्या हैं...? हालत यह थी कि एक-दो आसान सवालों को छोड़कर पूरे पंडाल में सन्नाटा पसर गया। बड़े-बड़े मंचों पर दहाड़ने वाले नेता और कार्यकर्ता जवाब देने के लिए खड़े होने की हिम्मत तक नहीं जुटा पाए। कार्यकर्ताओं की यह सफेद अज्ञानता देखकर प्रदेश प्रभारी का पारा चढ़ गया। उन्होंने मंच से सरेआम कह दिया कि खरगोन जिले और मंडलों का प्रशिक्षण वर्ग बिल्कुल शून्य है। ऐसा लगता है कि आप लोग प्रशिक्षण वर्ग में सिर्फ बढ़िया भोजन करने और फेसबुक-व्हाट्सएप के लिए फोटो खिंचवाने आते हो। उन्होंने स्थानीय पदाधिकारियों को आईना दिखाते हुए कहा कि सिर्फ गले में भाजपा का दुपट्टा डाल लेने से कोई सच्चा कार्यकर्ता नहीं बन जाता। क्षेत्र, पार्टी और सरकार की योजनाओं की जानकारी उंगलियों पर होना भी आवश्यक है। बड़वाह में हुई इस बैठक ने साफ कर दिया कि जब तक ऊपर से हंटर नहीं चलता, तब तक नीचे के नेता सिर्फ दुपट्टा और फोटो की राजनीति में ही मस्त रहते हैं। अब देखना यह है कि इस फटकार के बाद खरगोन जिले के भाजपा नेताओं का प्रशिक्षण सुधरता है या फिर अगली बार भी वे सिर्फ भोजन का स्वाद लेकर लौट आते हैं।

बाल संरक्षण में खंडवा बना मिसाल, 350 बच्चों का परिवारों से पुनर्मिलन

अनोखा तीर, खंडवा। अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस के अवसर पर जिले में बाल संरक्षण के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों ने खंडवा को एक प्रेरक मॉडल के रूप में स्थापित किया है। मध्यप्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के मार्गदर्शन, कलेक्टर ऋषव गुप्ता के नेतृत्व तथा जिला बाल संरक्षण अधिकारी रन्ना शर्मा के निर्देशन में बाल कल्याण समिति द्वारा बच्चों की सुरक्षा, पुनर्वास और अधिकारों के संरक्षण के लिए प्रभावी कार्य किए गए हैं। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने बताया कि जिले में बाल संरक्षण को सामाजिक उत्तरदायित्व मानते हुए लगातार कार्य किया जा रहा है। समिति के प्रयासों से 350 से अधिक बच्चों का सुरक्षित रूप से उनके परिवारों से पुनर्मिलन कराया गया, जिससे उन्हें पुन: पारिवारिक संरक्षण और सुरक्षित वातावरण प्राप्त हुआ। वहीं 607 जरूरतमंद बच्चों को बाल स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़कर उनकी शिक्षा, पोषण एवं अन्य आवश्यक जरूरतों की पूर्ति सुनिश्चित की गई। समिति द्वारा बाल संरक्षण तंत्र को मजबूत बनाने के लिए पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए सपोर्ट पर्सन कार्यशालाओं का आयोजन भी किया गया। इन कार्यशालाओं में बाल अधिकारों और संरक्षण संबंधी कानूनों की जानकारी प्रदान की गई। बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के विरुद्ध भी समिति ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए 15 से अधिक बाल विवाहों को समय रहते रुकवाया। इसके साथ ही संकटग्रस्त बच्चों की मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग एवं पारिवारिक परामर्श के माध्यम से उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया गया। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि इन उपलब्धियों में समिति अध्यक्ष प्रवीण शर्मा के साथ सदस्य मोहन मालवीय, रुचि पाटिल, स्वप्निल जैन एवं कविता पटेल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सभी सदस्यों ने बच्चों के सर्वोत्तम हित को प्राथमिकता देते हुए संवेदनशीलता और समर्पण के साथ कार्य किया। अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस पर बाल कल्याण समिति ने नागरिकों से बच्चों की सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी संकटग्रस्त अथवा संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चे की जानकारी संबंधित विभागों को देने की अपील की। समिति ने कहा कि सुरक्षित बचपन, सशक्त भविष्य केवल एक नारा नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में नीतू ठाकुर बनीं जैवलिन थ्रो की प्रदेश चैंपियन

अनोखा तीर, खंडवा। छतरपुर में 27 से 31 मई तक आयोजित स्कूल शिक्षा विभाग की 12वीं राज्य स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी खेलकूद प्रतियोगिता में खंडवा जिले की शिक्षिका नीतू ठाकुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल कर प्रदेश चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। हरसूद विकासखंड की शासकीय प्राथमिक शाला झुम्मरखाली में पदस्थ नीतू ठाकुर ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने विभिन्न एथलेटिक्स स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नीतू ठाकुर की इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी पीएस सोलंकी तथा डाइट प्राचार्य पीसी सोनी ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। उनकी सफलता से जिले के शिक्षकों एवं खिलाड़ियों में हर्ष का माहौल है।

मन की बात के 134वें एपिसोड को जिलेभर में सुना गया

अनोखा तीर, खंडवा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 134वें एपिसोड का रविवार को जिले सहित प्रदेशभर में विभिन्न बूथों पर सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण, जल एवं नदी संरक्षण, खेलों में देश की उपलब्धियों, भीषण गर्मी से बचाव तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुजालपुर विधानसभा के बूथ क्रमांक 258 स्थित नेहरू महाविद्यालय में कार्यक्रम सुना। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने बैतूल विधानसभा के खेड़ी सांवलीगढ़ मंडल के बूथ क्रमांक 223 पर किसानों के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। वहीं भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने मांधाता विधानसभा के ग्राम भोसली स्थित बूथ क्रमांक 51 पर किसानों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों के साथ मन की बात का श्रवण किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी सुरेंद्र शर्मा, जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक नारायण पटेल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, किसान और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिले में हरसूद विधायक एवं मंत्री डॉ. विजय शाह, पूर्व महापौर भावना शाह, जिला महामंत्री संतोष सोनी ने जोगी बेड़ा में, महापौर अमृता यादव ने बोरगांव खुर्द में, विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तनवे ने ग्राम हापला में तथा पंधाना विधायक छाया मोरे ने छैगांव माखन में ग्रामीणों और किसानों के साथ कार्यक्रम सुना। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि किसान मोर्चा द्वारा जिलेभर में लगभग 100 स्थानों पर किसानों के साथ मन की बात कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न जनसंपर्क एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से उनके विचारों और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

विधायक सहित भाजपा जिलाध्यक्ष व बड़ी संख्या में शामिल हुए कार्यकर्ता

अनोखा तीर, बड़वाह। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के तत्वावधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को इस बार विशेष रूप से किसानों की उपस्थिति में कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से सुना। बड़वाह विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सिरलाय स्थित निजी नर्सरी में भव्य कार्यक्रम का आयोजन उत्साह एवं जनसहभागिता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में किसानों, कार्यकर्ताओं एवं मातृशक्ति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 134वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण किया। इस अवसर पर पीएम द्वारा आत्मनिर्भर भारत, प्राकृतिक खेती, कृषि नवाचार, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं ग्रामीण विकास से जुड़े प्रेरणादायी विचारों को उपस्थितजनों ने गंभीरता एवं उत्साहपूर्वक सुना। इस दौरान बड़वाह विधायक सचिन बिरला, भाजपा जिलाध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे, भाजपा जिला प्रभारी संगीता सोनी सहित जिला एवं मंडल पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या

किसानों की उपस्थिति में हुआ मन की बात कार्यक्रम

भाजपा जिला प्रभारी बोले, वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष घोषित करना प्रदेश सरकार की किसान हितैषी सोच को दर्शाता है

में किसान बंधु, भाजपा कार्यकर्ता एवं मातृशक्ति की गरिमामयी उपस्थिति रही। मन की बात किसानों के साथ कार्यक्रम ग्राम सिरलाय में किसानों के सम्मान, जागरूकता एवं सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायी एवं सफल आयोजन के रूप में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सचिन बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का किसान सशक्त, आत्मनिर्भर और आधुनिक तकनीकों से जुड़ रहा है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती एवं आधुनिक कृषि नवाचारों को अपनाने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे ने कहा कि मन की बात केवल एक संवाद कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के विकास, किसानों की समृद्धि और जनभागीदारी को प्रेरित करने वाला सशक्त माध्यम है। वहीं जिला प्रभारी संगीता सोनी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष घोषित किया जाना प्रदेश सरकार की किसान हितैषी सोच को दर्शाता है। कार्यक्रम के दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न किसान कल्याणकारी योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों तथा प्राकृतिक खेती के लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित किसानों ने प्रधानमंत्री के संदेशों से प्रेरित होकर कृषि क्षेत्र में नवाचार, आत्मनिर्भरता एवं सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लिया। उक्त कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सुराना, जिला मंत्री अनिता मंत्री, जिला पंचायत सदस्य उमा लक्ष्मण काग, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष खुमान जाट, लक्ष्मण काग, सरपंच राजकुमार वर्मा, पदाधिकारी सहित अनेक वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने लोकमाता पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर जी की जयंती के अवसर पर उनके स्मृति-चिह्न पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके आदर्शों एवं समाजसेवा से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का जीवन सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण का अनुपम उदाहरण है, जिनके आदर्श आज भी समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

नगर के अनेक बूथों पर भी हुआ यह कार्यक्रम: बड़वाह नगर के 22 बूथों पर मन की बात कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य कार्यक्रम वार्ड क्रमांक 9, बस स्टेशन रोड पर हुआ। यहां वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष पुराणिक, लादूराम शाहू, एल्डरमैन महीम ठाकुर, संजय जैन, मंडल महामंत्री महेंद्र अमई, किसान मोर्चा अध्यक्ष अमन संधू सहित भाजपा नगर मंडल की टीम के सदस्य शामिल हुए। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री की मन की बात सुनी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर नर्मदा तट और मंदिरों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

● स्नान-दान एवं पूजा-अर्चना के साथ मनाया पुण्य पर्व

अनोखा तीर, बुधनी।

ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा के पावन अवसर पर रविवार को बुधनी नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उत्साह का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। सुबह ब्रह्ममुहूर्त से ही श्रद्धालुओं का नर्मदा घाटों, मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों की ओर पहुंचना शुरू हो गया था। लोगों ने पवित्र नर्मदा नदी में स्नान कर पूजा-अर्चना की। तथा परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और मंगलमय जीवन की कामना की। दिनभर मंदिरों में दर्शन-पूजन, भजन-कीर्तन, धार्मिक अनुष्ठान एवं दान-पुण्य का सिलसिला चलता रहा। ज्येष्ठ पूर्णिमा हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखने वाला पर्व माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, भगवान विष्णु एवं भगवान शिव की पूजा तथा दान-पुण्य करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। इसी मान्यता के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु सुबह से ही नर्मदा तट पर पहुंचे और श्रद्धा भाव से स्नान कर मां नर्मदा का पूजन किया। घाटों पर महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और बुजुर्गों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। नर्मदा तट पर श्रद्धालुओं ने दीपदान कर मां नर्मदा से परिवार की खुशहाली और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। कई लोगों ने पितरों की शांति एवं मोक्ष की कामना से तर्पण भी किया। घाटों पर धार्मिक वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं द्वारा हर-हर नर्मदे एवं भगवान के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। नगर के प्रमुख मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था तथा भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया। श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पहुंचकर भगवान विष्णु, भगवान शिव, माता पार्वती, श्रीराम, हनुमान जी एवं अन्य देवी-देवताओं के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कई स्थानों पर अखंड रामायण पाठ, सुंदरकांड, भजन-कीर्तन एवं सत्संग कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूर्णिमा के अवसर पर दान-पुण्य का भी विशेष महत्व रहा। श्रद्धालुओं ने जरूरतमंद लोगों को अन्न, फल, वस्त्र, छाता, जलपात्र एवं अन्य उपयोगी सामग्री का दान किया। सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं द्वारा भी सेवा कार्य किए गए। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, शरबत एवं प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई। गर्मी को देखते हुए विभिन्न संगठनों के स्वयंसेवकों ने राहगीरों एवं श्रद्धालुओं को ठंडा पानी उपलब्ध कराया। महिलाओं ने घरों और मंदिरों में विशेष पूजा कर परिवार की सुख-शांति और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कई श्रद्धालुओं ने पूर्णिमा व्रत रखकर धार्मिक नियमों का पालन किया। शाम के समय मंदिरों और घाटों पर दीपों की जगमगाहट ने वातावरण को और भी आध्यात्मिक बना दिया। श्रद्धालुओं ने सामूहिक आरती में भाग लेकर धर्म और संस्कृति के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। धार्मिक विद्वानों के अनुसार ज्येष्ठ पूर्णिमा आत्मिक शुद्धि, दान और सेवा का संदेश देने वाला पर्व है। इस दिन किए गए पुण्य कार्यों का विशेष महत्व माना जाता है। यही कारण है कि लोग इस अवसर पर धार्मिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं और समाज में सहयोग एवं सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। पर्व को लेकर नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह का माहौल बना रहा। बच्चों और युवाओं ने भी धार्मिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। मंदिरों में दर्शन के लिए दिनभर श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। स्थानीय समितियों और स्वयंसेवी संस्थाओं ने व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन द्वारा भी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। घाटों और प्रमुख मंदिरों के आसपास सुरक्षा के इंतजाम किए गए तथा लोगों से सावधानी बरतने की अपील की गई। स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देने के साथ-साथ स्वच्छता बनाए रखने में भी सहयोग किया। ज्येष्ठ पूर्णिमा का यह पावन पर्व क्षेत्र में धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता और सेवा भाव का संदेश देकर संपन्न हुआ। दिनभर चले धार्मिक आयोजनों ने लोगों को अपनी संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य किया। श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा एवं भगवान के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूरे दिन नगर और आसपास का क्षेत्र भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगा रहा तथा पूर्णिमा पर्व ने एक बार फिर भारतीय संस्कृति की समृद्ध धार्मिक परंपराओं को जीवंत कर दिया।

सार-समाचार

एएसआई के स्थानांतरण पर दी भावभीनी विदाई

अनोखा तीर, सेमरी हरचंद। स्थानीय पुलिस चौकी में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) नरेश रघुवंशी के स्थानांतरण पर चौकी परिसर में एक भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस स्टाफ के साथ-साथ क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भी बड़ी संख्या में उपस्थित होकर उन्हें पुष्पमाला पहनाई तथा शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनकी भावपूर्ण विदाई की। समारोह में एडवोकेट धर्मेंद्र सुलेकिया ने अपने मित्रों के साथ उपस्थित होकर एएसआई रघुवंशी को भगवान शंकर-पार्वती का स्मृति चिन्ह भेंट किया और उनके लगभग तीन वर्षों के सराहनीय एवं कुशल कार्यकाल के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए नई पदस्थापना के लिए शुभकामनाएं दीं।

नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

तम्बाकू से होने वाली हानि के प्रति किया आगाह

अनोखा तीर, माखन नगर। स्थानीय आनंद मंगल भवन में मनुष्य मिलन योग साधना परिवार के बीच भारत विकास परिषद के पदाधिकारी द्वारा 31 मई तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें भारत विकास परिषद के अध्यक्ष रामसिंग पटेल सेवा निवृत शिक्षक ने कहा कि तंबाखू के सेवन से मुंह, फेफड़ों का कैंसर, हृदय रोग होते हैं। उन्होंने कहा कि मैं विगत 56 वर्षों से नशे छोड़ो, राम से नाता जोड़ो की अलख जगा रहा हूं। सुरेश अग्रवाल ने भारत विकास परिषद के विषय में विस्तार से बतलाया। नगर की प्रसिद्ध कवियत्री कीर्ति वर्मा ने अपनी कविता के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश दिया। नगर के दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. संजेश मीना ने तम्बाकू से होने वाले नुकसान के बारे में बताया। इस सफल एवं उद्देश्य पूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा एवं संयोजन संजय वर्मा ने किया। इस अवसर पर हेमलता वर्मा, बबीता डेरिया, सुनीता वर्मा एवं परिवार परिषद के सभी लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुंदरलाल जांगड़े ने किया एवं आभार योग गुरु गोलू उज्जनिया ने माना।

शहर की पहचान कन्देली नदी कचरे से बेहाल, अस्तित्व पर संकट

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। नर्मदापुरम-हरदा मुख्य मार्ग शहर के बीचो-बीच बहने वाली कन्देली नदी कचरे और गंदगी के ढेर में तब्दील हो चुकी है। कभी शहर की पहचान रही यह नदी अब प्रशासन की लापरवाही से अपना अस्तित्व खोती जा रही है। स्थानीय रामलाल का कहना है कि कन्देली नदी के किनारे कचरा, प्लास्टिक और गंदा पानी जमा होने से बदबू और बीमारियां बढ़ रही हैं। अगर समय रहते सफाई और सौंदर्यीकरण किया जाए तो यह नदी फिर से शहर की शोभा बन सकती है। वहीं नगर पालिका प्रशासन का दावा है कि हर साल बारिश से पहले नदी की सफाई कराई जाती है। लेकिन बारिश के बाद फिर से कचरा जमा हो जाता है। अधिकारियों ने अब नियमित सफाई करने की बात कही है। नागरिकों का मानना है कि सिर्फ मानसून से पहले की खानापूर्ति से काम नहीं चलेगा। नदी को बचाने के लिए ठोस प्लान, कचरा रोकने के इंतजाम जरूरी है। घाट को सुंदर और पक्का कर दिया जाए तो नागरिक इधर घूमने और बैठने में अच्छा लगेगा और बुजुर्ग अपना समय बिता सकेंगे। नगर पालिका प्रशासन को ध्यान देकर कन्देली नदी का अस्तित्व को खत्म नहीं होने देना चाहिए और इसकी नियमित साफ सफाई करना चाहिए।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। शासन के निर्देशानुसार प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 31 मई 2026 को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्थानीय नेहरू पार्क से शासकीय नर्मदा महाविद्यालय के संस्कृतिक भवन तक जागरूकता रैली निकालकर किया गया। रैली के समापन उपरांत दीप प्रज्वलन कर मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय छात्र-छात्राओं, आमजन एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर तम्बाकू एवं धूम्रपान सेवन की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों को तम्बाकू, बीड़ी एवं सिगरेट सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उपस्थितजनों को बताया गया कि तम्बाकू सेवन से कैंसर, टीबी, हृदयघात सहित अनेक गंभीर एवं जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। कार्यक्रम के दौरान शासकीय कलापथक दल, गायत्री शक्तिपीठ एवं प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनसामान्य को तम्बाकू सेवन के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही उपस्थित सभी नागरिकों को तम्बाकू सेवन न करने एवं दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के अंत में उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नर्मदापुरम अंतर्गत सामाजिक सुरक्षा अधिकारी जयंत यादव ने आभार व्यक्त किया।

- हैंडपंप बने सहारा : माना क्षेत्र में 12 घंटे तक ठप्प रही बिजली और पानी की आपूर्ति

आंधी-तूफान और बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, रातभर गुल रही बिजली

अनोखा तीर, बुधनी/सीहोर।

शनिवार देर रात आए तेज आंधी-तूफान और गरज-चमक के साथ हुई बारिश ने बुधनी सहित सीहोर जिले के कई क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में अचानक आए इस बदलाव ने लोगों को भीषण गर्मी और नौतपा की तपिश से राहत तो दी, लेकिन तेज हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह पटरी से उतार दिया। रात करीब 12.30 बजे से तड़के 3 बजे तक चली धूलभरी आंधी और बारिश के कारण क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई। आंधी के चलते कई जगहों पर पेड़ और भारी टहनियां बिजली के तारों पर गिर गईं, जिससे विद्युत लाइनों में गंभीर फॉल्ट आ गए। विशेष रूप से माना क्षेत्र में बिजली की आंखमिचौली और फॉल्ट के कारण लगभग 10 से 12 घंटे तक बिजली पूरी तरह गुल रही।

स्कूल का होर्डिंग गिरा, मंदिर परिसर में पुराना पेड़ धराशाई

तेज हवाओं का आलम यह था कि नगर की कई दुकानों के होर्डिंग और विज्ञापन बोर्ड उखड़कर सड़कों पर आ गिरे। पीएम श्री कन्या हाई स्कूल के मुख्य द्वार पर लगा भारी-भरकम होर्डिंग भी तेज हवाओं के दबाव में धराशाई हो गया। वहीं, वार्ड क्रं 8 स्थित खेड़ापति हनुमान मंदिर परिसर में लगा वर्षों पुराना जामुन का विशाल पेड़ भी जड़ से उखड़कर गिर गया।

उमस भरी गर्मी के बीच रात काटने के बाद रविवार सुबह लोगों को भारी जल संकट का सामना करना पड़ा। बिजली न होने से नल-जल योजनाएं ठप रहीं, जिसके कारण स्थानीय निवासियों को दूर-दराज स्थित हैंडपंपों से पानी लाकर अपनी प्यास बुझानी पड़ी।

सुधार कार्य में जुटा रहा बिजली विभाग, जनहानि नहीं

रविवार सुबह से ही विद्युत विभाग का अमला प्रभावित क्षेत्रों में मुस्तैद नजर आया। कर्मचारी टूटे तारों को जोड़ने और पेड़ों को हटाकर फॉल्ट सुधारने के काम में जुटे रहे, जिसके बाद दोपहर तक धीरे-धीरे आपूर्ति बहाल की जा सकी। गनीमत यह रही कि इस पूरे प्राकृतिक घटनाक्रम में क्षेत्र से किसी भी प्रकार की जनहानि की अप्रिय खबर सामने नहीं आई है।

धरमकुंडी रोड पर डंपर पलटने से 2 घायल

अनोखा तीर, सिवनी मालवा।

धरमकुंडी- इटारसी मार्ग पर छापर की गुलाई के पास रेत से भरा डंपर पलट गया। हादसे में चालक सहित 2 युवक घायल हो गए। वहीं समय पर 108 एम्बुलेंस न पहुंचने से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। जानकारी के अनुसार डंपर तवा नदी से रेत भरकर इंदौर जा रहा था। छापर की गुलाई के मोड़ पर तेज रफ्तार के कारण वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। डंपर में सवार गंभीर रूप से घायल हुआ, जबकि एक को भी चोटें आई हैं। घटना के बाद राहगीरों ने मशक्कत कर दोनों को केबिन से बाहर निकाला।

एम्बुलेंस न मिलने से बढ़ी परेशानी

घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए स्थानीय नागरिकों ने तुरंत 108 सेवा पर कॉल किया, लेकिन काफी देर तक एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी। बाद में निजी वाहन से घायलों को सिवनी मालवा अस्पताल ले जाया गया। जनपद सदस्य शेर सिंह का कहना है कि इतने बड़े हादसे के बाद भी 108 का न पहुंचना शर्मनाक है। अगर देरी से इलाज के कारण जान चली जाए तो जिम्मेदार कौन होगा। प्रशासन से मांग की गई है कि इस मार्ग पर एम्बुलेंस की उपलब्धता और छापर गुलाई मोड़ पर सुरक्षा इंतजाम पुख्ता किए जाएं।

एक दिन पहले बनी सड़क पर ट्रैक्टर में रिपेयरिंग कर रहे दुकानदार प्रशासन मौन

अनोखा तीर, माखननगर। नगर में नव निर्मित सड़क निर्माण में ठेकेदार द्वारा घोर लापरवाही की जा रही है। वहीं दुकानदारों द्वारा एक दिन पहले बनी सड़क पर ही ट्रैक्टर सुधारने का कार्य जारी कर दिया गया है। जिसे न तो ठेकेदार के कर्मचारी न ही प्रशासन के किसी सक्षम अधिकारी द्वारा उस कार्य को रोकने के प्रयास किया गया। नागरकों का कहना है कि बगैर पके सीमेंट सड़क पर कार्य करने से निश्चित ही निर्माणाधीन सड़क की गुणवत्ता पर असर आएगा। वहीं न तो मार्ग के दोनों ओर अवरोधक लगाए गए हैं न ही परिवर्तित मार्ग के गड्ढों में सुधार कराया गया है। वहीं अधिकारियों से बात करने पर व्यवस्था कराते हैं कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं। वर्तमान समय में जो तापमान है उसके अनुसार सड़क पर तराई नहीं की जा रही है। जूट के फट्टी के बीच अंतर है वहीं केवल एक बार ही सड़क की तराई की जा रही हैं, जो मार्ग की गुणवत्ता के लिए सही नहीं है। ग्रामीणों द्वारा उचित कार्यवाही की मांग की गई है।

इनका कहना है

सड़क पर कार्य होना गलत है। मैं ठेकेदार से बात कर व्यवस्था कराता हूं, जिससे सड़क क्षतिग्रस्त न हो।

▸ **आरबी मीना,** सब इंजीनियर लोक निर्माण विभाग नर्मदापुरम।

मथुरा जाने वाले खिलाड़ियों के स्वागत की तस्वीर पर सवाल

नेताओं ने देश का भविष्य को घुटने पर झुकाया

केके यदुवंशी, सिवनी मालवा।

नगर में एक सम्मान समारोह की तस्वीर सामने आने के बाद शहर में बहस छिड़ गई है। प्रतियोगिता के लिए मथुरा रवाना हुए खिलाड़ी आगे घुटने टेककर बैठे दिख रहे हैं, अगर बच्चों को घुटने नहीं टेकते तो नेताओं की फोटो नहीं आती। जबकि पीछे की पंक्ति में शहर के जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग खड़े हैं। सभी बच्चों के गले में माला और माथे पर तिलक लगा हुआ है। सोशल मीडिया पर तस्वीर वायरल होते ही सवाल उठने लगे कि क्या बच्चों को सम्मान के नाम पर घुटने टेकने के लिए मजबूर किया गया। शहर के नागरिकों ने आरोप लगाया है कि अपनी फोटो अच्छी आने के लिए, चाहे देश का भविष्य घुटनों पर आ जाए, शहरवासियों ने इसकी कड़ी निंदा कि है। बच्चों के सम्मान के नाम पर केवल दिखावा किया है। शहर के नेताओं ने बच्चों को घुटने टेककर फोटो खिंचवाई। जिसे लेकर लोग अलग-अलग राय रख रहे हैं। ज्ञात हो कि नगर पालिका द्वारा संचालित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में प्ले फिट क्लब के प्रशिक्षण से सिवनी मालवा के खिलाड़ियों का चयन हुआ है। ये खिलाड़ी मथुरा में होने वाली अखिल भारतीय फ्यूचर स्टार प्रतियोगिता में हिस्सा लेने रवाना हुए हैं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और नागरिक मौजूद थे। सभी ने खिलाड़ियों का स्वागत कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की, जिसकी तस्वीर को लेकर शहर में चर्चा लगातार जारी है।

● सोशल मीडिया पर तस्वीर वायरल, चर्चा जोरों पर

खूब पढ़ो और आगे बढ़ो : बच्चों के लिए कलेक्टर का प्रेरक संदेश

● कामती की रात्रि चौपाल में दिखा बच्चों के प्रति कलेक्टर का संवेदनशील नेतृत्व

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। प्रशासन आपके द्वार अभियान अंतर्गत विकासखंड सोहागपुर के दूरस्थ ग्रामीण अंचल कामती में आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान कलेक्टर सोमेश मिश्रा का संवेदनशील एवं प्रेरणादायी नेतृत्व देखने को मिला। जनसंवाद के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं सुनने एवं उनके निराकरण के निर्देश देने के साथ ही कलेक्टर ने वहां उपस्थित बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। रात्रि चौपाल के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा की नजर वहां बैठे कुछ बच्चों पर पड़ी, जिसके बाद उन्होंने सभी बच्चों को अपने पास बुलाया और उनसे आत्मीय बातचीत की। बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कलेक्टर ने उन्हें किताबें एवं चॉकलेट भेंट कीं। इस दौरान उन्होंने बच्चों से सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्न पूछे तथा उनका आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रयास किया। अपने बीच कलेक्टर को पाकर बच्चे भी काफी उत्साहित नजर आए और उन्होंने प्रतिस्पर्धा के अंदाज में सभी प्रश्नों के उत्तर उत्साहपूर्वक दिए। कलेक्टर ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ बच्चों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि शिक्षा एवं खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध कराए जाएं, ताकि ग्रामीण अंचल के प्रतिभाशाली बच्चे बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें।

सार-समाचार

अघोषित कचरा पॉइंट्स पर सीसीटीवी से निगरानी शुरू

● 20 जगह कैमरे लगाए, कचरा फेंकने वालों पर लगेगा जुर्माना

अनोखा तीर, देवास। शहर की स्वच्छता व्यवस्था सुधारने के लिए नगर निगम ने एक नई पहल की है। पहली बार शहर के उन अघोषित कचरा पॉइंट्स पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जहां लोग लगातार कचरा फेंकते थे। नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार के निर्देश पर यह विशेष अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत शहर के लगभग 20 चिन्हित स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों में कैद होने वाली रिकॉर्डिंग के आधार पर कचरा फेंकने वाले लोगों की पहचान की जाएगी। इसके बाद उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जुर्माना भी शामिल है। निगम अधिकारियों के अनुसार, स्वच्छता को लेकर यह पहली बार है जब इस तरह की तकनीकी निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य उन लोगों पर अंकुश लगाना है जो सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंककर शहर की स्वच्छता को प्रभावित करते हैं। नगर निगम ने बताया कि लगातार समझाइश के बावजूद कुछ स्थानों पर लोग कचरा डालना बंद नहीं कर रहे थे, जिसके कारण ये स्थान अघोषित कचरा पॉइंट्स बन गए हैं। अब कैमरों की मदद से निगरानी कर कचरा फेंकने वालों के खिलाफ जुर्माना सहित अन्य कार्रवाई की जाएगी। स्वच्छ भारत मिशन के नोडल सौरभ त्रिपाठी ने जानकारी दी कि सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग के आधार पर अब कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि नगर निगम की टीम स्वच्छता के लिए लगातार काम कर रही है और लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। नगर निगम को उम्मीद है कि इस पहल से शहर में गंदगी फैलाने वालों पर रोक लगेगी और देवास स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकेगा।

श्रीमद् भागवत कथा 9 से 15 जून तक

अनोखा तीर, खातेगांव। पुरुषोत्तम मास में धार्मिक आयोजनों एवं श्रीमद् भागवत कथा के दौरान भगवान विष्णु स्वरूप शालिग्राम जी का पूजन विशेष पुण्यदायी माना गया है। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं द्वारा भगवान शालिग्राम को एक हजार तुलसीदल अर्पित कर सहस्त्र अर्चन किया जाएगा। गुरु देव साधक संत गुरुदेव दादाभाई के सानिध्य में दादा जी धूनीवाला दरबार प्रस्तावित स्थल खातेगांव अजनास रोड पर 9 जून से 15 जून तक होने वाली श्रीमद् भागवत कथा में प्रतिदिन श्रद्धा, भक्ति एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शालिग्राम का पूजन अभिषेक होगा। इस आयोजन से वातावरण भक्तिमय बना रहेगा। गुरु देव साधक संत दादाभाई के अनुसार पुरुषोत्तम मास भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। इस मास में शालिग्राम भगवान का पूजन, तुलसीदल अर्पण, दान-पुण्य एवं श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि तुलसी माता भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय हैं, इसलिए तुलसीदल से सहस्त्र अर्चन करने पर भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का आगमन होता है। पं. नारायण तिवारी भागवत आचार्य ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा के दौरान शालिग्राम भगवान का पूजन करने से परिवार में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और व्यक्ति को आध्यात्मिक शांति प्राप्त होती है। पुरुषोत्तम मास में किए गए जप, तप, व्रत एवं पूजा का फल कई गुना अधिक बताया गया है। श्रद्धालुओं भक्ति भाव से भगवान शालिग्राम का पूजन कर तुलसीदल अर्पित करें तथा विश्व कल्याण, परिवार की सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र में खुशहाली की कामना के साथ कथा स्थल पर कन्या भोजन भंडारे का आयोजन किया जाएगा। बड़ी संख्या में धर्मप्रेमीजन पहुंचकर कथा श्रवण एवं पूजा-अर्चना में भाग लें।

● पुरुषोत्तम मास में भगवान शालिग्राम को सहस्त्र तुलसीदल अर्पण का विशेष महत्व

शिप्रा बैराज का पानी मांगलिया को देने के विरोध में हस्ताक्षर अभियान तेज

अनोखा तीर, देवास। नगर निगम द्वारा शिप्रा बैराज का पानी मांगलिया क्षेत्र को उपलब्ध कराने के प्रस्ताव के विरोध में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पं. रितेश त्रिपाठी के नेतृत्व में चलाया जा रहा हस्ताक्षर अभियान लगातार गति पकड़ रहा है। अभियान के तीसरे दिन शहर के नोवेल्टी चौराहे से हस्ताक्षर संग्रह का कार्य प्रारंभ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर प्रस्ताव का विरोध दर्ज कराया। इस दौरान नागरिकों ने चर्चा के दौरान कहा कि नगर निगम द्वारा लिया गया यह निर्णय शहर के हित में नहीं है। नागरिकों ने मांग की कि नगर निगम इस प्रस्ताव को तत्काल निरस्त करे। अभियान का नेतृत्व कर रहे पं. त्रिपाठी ने बताया कि शहरभर में शिप्रा बैराज का पानी मांगलिया को नहीं दें विषय को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से आमजन की भावनाओं को एकत्र कर शासन-प्रशासन तक पहुंचाया जाएगा। अभियान में पूर्व महापौर प्रत्याशी विनोदिनी रमेश व्यास, संजय कहार, पूर्व पार्षद एवं उप नेता प्रतिपक्ष नरेंद्र यादव, पूर्व पार्षद एवं शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष कल्याण पवार, राजेश देवड़ा, नईम अहमद, देवेंद्र बाबा चौहान, दीपेश हरोड़े, जितेन बोडाना, गोविंद बोडाना, गौरव राठौर, अनुराग चौहान, नरेंद्र चौहान, जगदीश रैकवार, जगदीशचंद्र मालवीय, उमराव सिंह राठौड़ सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

66 रुपए को लेकर मारपीट, ऑटो चालक और यात्री के बीच झगड़ा

अनोखा तीर, देवास। ऑटो चालक और एक यात्री के बीच 66 के किराए को लेकर हुए विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ऑटो चालक सहित छह लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, फरियादी धनराज ने रैपिडो के माध्यम से एक ऑटो बुक किया था। इसका किराया 166 तय हुआ था। यात्री नागदा पहाड़ी के पास जाना चाहता था, लेकिन चालक ने वहां जाने से इनकार कर दिया। इस दौरान यात्री ने चालक को 100 दिए थे, जबकि 66 बकाया रह गए थे। इसी शेष राशि को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि ऑटो चालक बार-बार बकाया राशि की मांग कर रहा था। इस पर यात्री ने उसे कैलादेवी क्षेत्र में आने के लिए कहा। कैला देवी चौराहे पर पहुंचने पर ऑटो चालक और उसके साथियों ने यात्री के साथ मारपीट की। यह घटना शुक्रवार देर शाम को हुई थी। मारपीट की इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद मामला सुर्खियों में आया। औद्योगिक थाना पुलिस ने फरियादी धनराज की शिकायत पर ऑटो चालक सनी और उसके पांच अन्य साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। औद्योगिक थाना प्रभारी शशिकांत चौरसिया ने बताया कि किराए के लेनदेन को लेकर ऑटो चालक और यात्री के बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद मारपीट की घटना सामने आई। उन्होंने पुष्टि की कि मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जांच के बाद छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है, जिनमें कुछ नाबालिग भी शामिल हैं। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

मरीजों के परिजनों को न्यूनतम दरों पर मिलेगी ठहरने की सुविधा

जिला अस्पताल परिसर में 84.98 लाख लागत से निर्मित विश्रामालय का लोकार्पण

अनोखा तीर, बैतूल।

जिला अस्पताल परिसर में 84.98 लाख रुपये की लागत से निर्मित विश्रामालय का लोकार्पण केंद्रीय राज्यमंत्री जनजातीय कार्य मंत्रालय दुर्गादास उईके, विधायक बैतूल एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, विधायक मुलताई चंद्रशेखर देशमुख, विधायक आमला डॉ. योगेश पंडाग्रे, जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य सुधाकर पवार एवं उपाध्यक्ष जिपं हंसराज धुर्वे के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज हुरमाड़े, सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे, डॉ. रानू वर्मा, डॉ. रूपेश पद्माकर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संवेदनशील नेतृत्व में विकास की अविरल धारा प्रवाहित हो रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे, यह केंद्र एवं राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल परिसर में लगभग 85 लाख रुपए की लागत से निर्मित इस विश्रामालय में जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों के परिजनों के रुकने की व्यवस्था की गई है। यहां भोजन सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं भी न्यूनतम दरों पर उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने विधायक हेमंत खंडेलवाल के प्रयासों से मिली इस सौगात के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। विधायक श्री खंडेलवाल ने कहा कि जिला अस्पताल में बड़ी संख्या में मरीज इलाजरत रहते हैं। ऐसे में उनके परिजनों को न्यूनतम दरों पर ठहरने की व्यवस्था हो, इसके लिए उन्होंने एवं सांसद श्री उईके ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भेंट की थी। जिस पर मंत्री श्री प्रधान ने अपनी राज्यसभा निधि से तत्काल 80 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की थी। उन्होंने सभी की ओर से धर्मेंद्र प्रधान के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि विश्रामालय का संचालन रोगी कल्याण समिति द्वारा न्यूनतम दरों पर किया जाएगा। विश्रामालय के समीप शेष क्षेत्र में शेड एवं रेस्ट रूम की व्यवस्था भी की जाएगी, जहां न्यूनतम दरों पर स्वल्पाहार एवं भोजन उपलब्ध रहेगा। इससे मरीजों के परिजनों को बैठने एवं ठहरने में सुविधा होगी तथा अस्पताल का क्राउड मैनेजमेंट बेहतर हो सकेगा। सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे ने बताया कि 30 बिस्तरीय विश्रामालय का लोकार्पण किया गया है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा राज्यसभा निधि से 84.98 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी।

नट बाबा परिसर में उमड़ा आस्था का जन सैलाब

● भंडारे में महाप्रसादी ग्रहण करने पहुंचे भक्त श्रद्धालुओं के साथ वानर सेना

अनोखा तीर, खातेगांव। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर तहसील कार्यालय परिसर स्थित नट बाबा मंदिर परिसर में भगवान राधा माधव के प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर रविवार को पूर्णिमा के दिन विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए मंदिर समिति के रवि शर्मा ने बताया कि दो दिवसीय आयोजन के तहत शनिवार शाम को मंदिर परिसर में गुरुदेव साधक संत दादा भाई के सानिध्य में प्रति पूर्णिमा पर आयोजित होने वाली सत्यनारायण व्रत कथा का आयोजन किया गया। कथा के यजमान प्रदीप साहू ने भगवान का पूजन किया। पं. नारायण तिवारी ने उपस्थित भक्ति श्रद्धालुओं को भगवान सत्यनारायण की दिव्य कथा का श्रवण कराया। इस अवसर पर कन्या भोजन कन्या पूजन किया गया। रविवार सुबह ही सत्यनारायण कथा में यजमान निलेश जगताथ ने पूजन किया।

इस अवसर पर आयोजित विशाल भंडारे में दूर-दूर से भक्त श्रद्धा लोगों ने पहुंचकर भोजन प्रसादी ग्रहण की। इसी अवसर पर सर्वप्रथम भोजन भंडारा प्रारंभ होते ही वानर सेना ने भी आकर भंडारे में भोजन ग्रहण किया। वहीं विधायक आशीष शर्मा, निलेश जोशी, मंडल अध्यक्ष ललित गुर्जर, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सवाल सिंह यादव, नगर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील यादव सहित बड़ी संख्या में भक्तों ने राधा माधव एवं नंद बाबा के दर्शन पूजन कर प्रसाद ग्रहण किया। नवनिर्मित मंदिर को विशेष रूप से विद्युत साज-सज्जा के साथ सुसज्जित किया गया है। दो दिवसीय आयोजन के समापन पर सभी सहयोगियों के प्रति रवि शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षणार्थियों का किया सम्मान

वन विद्यालय में हर्षोल्लास से मनाया दीक्षांत समारोह

अनोखा तीर, बैतूल।

स्थानीय वन विद्यालय में रविवार को वनरक्षक प्रशिक्षण सत्र 107वां दीक्षान्त समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान मुख्य वनसंरक्षक एवं वन बल प्रमुख मप्र शुभरंजन सेन एवं विशेष अतिथि प्रधान मुख्य वनसंरक्षक (विकास), मप्र पुरुषोत्तम धीमान रहे। दीक्षान्त समारोह से पूर्व पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। वनरक्षकों ने मार्च पास्ट कर मुख्य अतिथि को सलामी दी। राष्ट्रगान के साथ परेड का समापन हुआ। दीक्षान्त समारोह के दौरान संचालक नवीन गर्ग द्वारा प्रशिक्षण सत्र का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धियों एवं गतिविधियों की जानकारी दी गई। इसके पश्चात मुख्य अतिथि एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण सत्र के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वनरक्षक प्रशिक्षणार्थियों को पुरस्कृत किया एवं सत्र के सभी उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। साथ ही वन विद्यालय में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के विषेश अतिथि पुरुषोत्तम धीमान ने नव-प्रशिक्षित वनरक्षकों को संबोधित किया एवं वनों की सुरक्षा के प्रति उनके कर्तव्यों का बोध कराते हुए भविष्य के कार्यों को लगन एवं मेहनत से करने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य अतिथि शुभरंजन सेन ने अपने उद्बोधन में कहा कि वनरक्षक वन विभाग की रीढ़ हैं। उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों को ईमानदारी एवं निष्ठा से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गए एवं अनुदेशक वन विद्यालय द्वारा आभार व्यक्त कर समारोह का समापन किया गया। इस अवसर पर वन संरक्षक बैतूल वृत्त मधु व्ही राज, कार्यआयोजना अधिकारी प्रदीप मिश्रा, वनमंडलाधिकारी दक्षिण बैतूल अरिहंत कोचर, वनमंडलाधिकारी उत्पादन बैतूल विजेंद्र खोब्रागड़े एवं मंडल प्रबंधक रामपुर भतौड़ी परियोजना एसपी शाक्य सहित वन विभाग के अन्यअधिकारी, कर्मचारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

अहिल्याबाई होल्कर का जीवन सुशासन और लोककल्याण का आदर्श

अनोखा तीर, देवास। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती के अवसर पर रामनगर चौराहा पर संस्था देशराग के बैनर तले एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों तथा गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं नेता सत्ता पक्ष श्री सेन ने अपने उद्बोधन में कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर जितना प्रकाश डाला जाए उतना कम है। उन्होंने अपने जीवन में धर्म, संस्कृति, सुशासन, लोककल्याण एवं समाज सेवा के ऐसे आदर्श स्थापित किए जो आज भी प्रासंगिक हैं। इस अवसर पर संस्था देशराग के संयोजक विजय गहलोत ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय इतिहास में उनके द्वारा किए गए जनकल्याणकारी कार्यों का विशेष महत्व है। कार्यक्रम में संस्था देशराग के रमाकांत सिंह बघेल, राजेश गुप्ता, नवीन सिंह सोलंकी, वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश चौधरी, कमल चौधरी, विजय चौधरी, राजेंद्र चौधरी, माखन सिंह राठौड़, शैलेंद्र सिंह गौड़, भाजपा नेता अर्जुन चौधरी, बृजेश परमार, अभिषेक ठाकुर, चेतन चौधरी, मनोज चौधरी, संजू चौधरी, विक्रम चौधरी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त सिख समाज के प्रमुख गुरचरण सिंह गंभीर, अधिवक्ता साथियों तथा विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं जातीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में सहभागिता कर लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों को नमन किया।

801 किलो केले से होगा श्री खेड़ापति मारुति मंदिर का दिव्य श्रृंगार

अनोखा तीर, देवास।

ज्येष्ठ माह के पावन अवसर पर शहर के प्रसिद्ध श्री खेड़ापति मारुति मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। महात्मा गांधी मार्ग स्थित मंदिर में 2 जून, मंगलवार को ज्येष्ठ माह के पांचवें बड़े मंगलवार के उपलक्ष्य में भगवान हनुमान का विशेष एवं आकर्षक श्रृंगार 801 किलो केले से किया जाएगा। इस दौरान मंदिर परिसर को भी विशेष रूप से सजाया जाएगा, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगा। मंदिर के पुजारी पंडित दर्शन उपाध्याय ने बताया कि इस वर्ष ज्येष्ठ माह में कुल 8 बड़े मंगलवार पड़ रहे हैं। प्रत्येक बड़े मंगलवार को भगवान श्री खेड़ापति मारुति का विशेष श्रृंगार कर भव्य महाआरती का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में पांचवें बड़े मंगलवार पर भक्तों के लिए विशेष धार्मिक आयोजन रखा गया है।

उन्होंने बताया कि इस अवसर पर मंदिर को केले सहित अन्य आकर्षक सजावटी सामग्री से सजाया जाएगा। भगवान हनुमान का मनोहारी श्रृंगार एवं अलौकिक दर्शन श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद प्रदान करेंगे। पंडित उपाध्याय ने समस्त भक्तों से अपील की है कि जो श्रद्धालु बाबा के विशेष श्रृंगार एवं धार्मिक आयोजन में सहयोग करना चाहते हैं, वे अपनी श्रद्धानुसार दान कर सकते हैं। आयोजन के उपरांत केले की प्रसादी का वितरण भक्तों के बीच किया जाएगा। मंदिर पुजारी ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भगवान श्री हनुमानजी का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया है।

लोक माता अहिल्या बाई का जीवन हमारे लिए आदर्श : पंवार

अनोखा तीर, बैतूल। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की जन्म जयंती रविवार को जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन बैतूल में उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पाल समाज के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत देवी अहिल्याबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई के जीवन और कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने नारी शक्ति को आत्म निर्भर बनाने का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके शासनकाल में न्याय, धर्म और जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता मिली। उन्होंने देशभर में मंदिरों और धर्मशालाओं का निर्माण कर सनातन संस्कृति को बचाए रखने का काम किया। श्री पवार ने कहा कि अहिल्याबाई के आदर्श आज भी हमें सुशासन और समाज सेवा की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में पाल समाज के पदाधिकारियों ने भी देवी अहिल्याबाई के जीवन दर्शन को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला महामंत्री कृष्णा गायकी, डॉ. महेन्द्रसिंह चौहान, जिला उपाध्यक्ष इंद्रपाल पुंडे, जिला कोषाध्यक्ष दीपक सलूजा, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री ममता मालवी, सुनीता देशमुख, वर्षा खाड़े, मीना बोरबन, सविता रघुवंशी, सुजय पौनीकर, विजय खंडेलवाल, चाणक्य राखडे, प्रवीण वराठे, कुनाल शर्मा, अनूज आर्य, शिवकिशोर पाल, राजेश पाल, दीपक पाल, सुरेश पाल, उदय पाल, प्रमिला मोरे, लोकेश मोरे, कमल पाल, अजजू पाल, अनिता पाल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सामाजिक बंधुगण उपस्थित थें।

सरपंच ने कलेक्टर से की बिजली और सड़क समस्या के समाधान की मांग

अनुमति के अभाव में 2 किमी सड़क निर्माण कार्य अटका

अनोखा तीर, बैतूल।

धायवानी सरपंच मालती कासदेकर एवं आठनेर जनपद क्षेत्र क्रं-8 की जनपद सदस्य सुमिता उइके ने कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर ग्राम पंचायत धायवानी अंतर्गत ग्राम बाबजई की बिजली और सड़क संबंधी समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है। उन्होंने बताया कि बाबजई से धायवानी तक की मुख्य बिजली लाइन पूरी तरह जर्जर हो चुकी है तथा कई बिजली पोल खराब हालत में हैं। आगामी बारिश के मौसम में इससे बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। ज्ञापन में बताया गया है कि ग्राम बाबजई में लगभग चार वर्ष पूर्व केबलिंग का कार्य किया गया था, लेकिन इसके बावजूद बिजली संबंधी समस्याएं लगातार बनी हुई हैं। ग्रामीणों द्वारा कई बार बिजली कंपनी को शिकायत के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। वर्तमान में गांव की घरेलू बिजली आपूर्ति और किसानों की सिंचाई के लिए एक ही ट्रांसफार्मर से बिजली दी जा रही है, जिससे किसानों को फसलों की सिंचाई में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और हर वर्ष भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। सुमिता उइके जनपद सदस्य ने सड़क निर्माण की समस्या भी उठाई है। उन्होंने बताया कि बाबजई से धायवानी तक 5 किमी. लंबी पीडब्ल्यूडी सड़क का निर्माण कार्य पिछले दो वर्षों से चल रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रहलाद शर्मा द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, देशबंधु परिसर, प्लॉट नं.26-बी, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित अनोखा तीर कार्यालय नया बस स्टैंड के सामने, हरदा, म.प्र. से प्रकाशित। प्रधान संपादक सुरेश लोहाना / संपादक प्रहलाद शर्मा / प्रबंध संपादक महेश कौशिक। फोन : 07577-226771 मो.9425045480, समाचार चयन के लिए पी.आर. बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरदा रहेगा।

सार-समाचार

मामा के घर से लौटते समय सड़क हादसे में युवक की मौत

अनोखा तीर, हरदा। हंडिया थाना क्षेत्र में शनिवार रात ग्राम कुसिया के पास फोरलेन पर हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक अपने मामा के घर से लौट रहा था, तभी पीछे से आ रही एक इनोवा कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हंडिया थाना के एसआई जितेंद्र वैष्णव ने बताया कि देवास जिले के खातेगांव थाना क्षेत्र के ग्राम बरछाखुर्द निवासी विजय पिता जगदीश टांक 38 हरदा जिले के सोडलपुर स्थित अपने मामा के घर गए थे। शाम को वे बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम कुसिया के पास नागपुर से इंदौर जा रही इनोवा कार क्र. एमएच 49 एएस 0961 के चालक ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में विजय टांक के सिर और पैरों में गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। रविवार सुबह जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। बताया गया है कि विजय टांक खेती-किसानी का कार्य करते थे। उनके परिवार में 16 वर्षीय बेटी और 14 वर्षीय पुत्र है। वे दो भाइयों में बड़े थे। पुलिस ने हादसे के लिए जिम्मेदार इनोवा कार और उसके चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टरों के अनुसार सिर में गंभीर चोट लगने और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण विजय की मौत हुई। चिकित्सकों का कहना है कि यदि उन्होंने हेलमेट पहना होता तो उनकी जान बचने की संभावना अधिक थी।

हर्षोल्लास से मनाई अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती

अनोखा तीर, नेमावर। पुण्यश्लोका लोकमाता मां अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती के अवसर पर नेमावर बस स्टैंड पर धनगर युवा सेना एवं धनगर समाज के सदस्यों द्वारा श्रद्धापूर्वक जन्मोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान मां अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने मां अहिल्याबाई के आदर्शों, समाज सेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि मां अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में जनकल्याण, धर्म, संस्कृति और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए अनेक उल्लेखनीय कार्य किए, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। इस अवसर पर धनगर समाज के वरिष्ठजन, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन मां अहिल्या के जयघोष एवं समाज की एकता के संदेश के साथ हुआ।

बेज़ुबानों की प्यास बुझाने में ज़ुटीं समाजसेविका अनीता तुमराम

अनोखा तीर, हरदा। भीषण गर्मी के मौसम में जहां इंसान अपनी प्यास बुझाने के साधन तलाश लेता है, वहीं बेजुबान पक्षी और पशु पानी के लिए भटकते रहते हैं। उनकी इसी पीड़ा को समझते हुए बाप पार्टी महिला मोर्चा की

जिलाध्यक्ष एवं सर्व आदिवासी समाज की पूर्व संगठन मंत्री अनीता तुमराम ने अपने घर की छत पर पक्षियों के लिए पानी के सकोरे रखकर सेवा कार्य शुरू किया है। अनीता तुमराम का कहना है कि इंसान तो किसी से पानी मांग सकता है, लेकिन बेजुबान जीव अपनी जरूरत नहीं बता पाते। ऐसे में उनके लिए पानी की व्यवस्था करना हम सभी का दायित्व है। समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय अनीता तुमराम पिछले कई वर्षों से मानवता और जीव सेवा के कार्यों से जुड़ी हुई हैं। पिछले वर्ष उन्होंने 100 से अधिक स्थानों पर पक्षियों और पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था कराई थी। इस वर्ष भी 50 से अधिक स्थानों पर पानी उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ ही वे आदिवासी क्षेत्रों में महिलाओं के उत्थान, जागरूकता एवं सामाजिक विकास के लिए भी लगातार कार्य कर रही हैं। उनकी यह पहल न केवल जीवों के प्रति संवेदनशीलता का संदेश दे रही है, बल्कि महिला समाज के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण बन रही है।

नार्मदीय सेवा न्यास ने 77 जरूरतमंदों को 18.47 लाख की सहायता प्रदान की

अनोखा तीर, हरदा। नार्मदीय ब्राह्मण समाज धर्मशाला, हरदा में रविवार शाम नार्मदीय सेवा न्यास, महेश्वर द्वारा 'अपनी बात समाज के साथ' संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में न्यास की गतिविधियों, समाजहित में किए गए कार्यों तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी समाजजनों के साथ साझा की गई। न्यास के अध्यक्ष मुकेश गार्गव ने बताया कि संस्था के गठन के बाद पिछले छह वर्षों में 77 से अधिक जरूरतमंद लोगों को चिकित्सा सहायता के रूप में कुल 18 लाख 47 हजार रुपए की आर्थिक मदद प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि देशभर में रहने वाले नार्मदीय ब्राह्मण समाज के आर्थिक रूप से कमजोर सदस्य स्थानीय इकाई के अध्यक्ष अथवा ट्रस्टी की अनुशंसा पर सहायता के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्राप्त होने के बाद न्यास की समिति द्वारा समीक्षा कर सहमति बनने पर 24 घंटे के भीतर संबंधित परिवार को चेक अथवा आरटीजीएस के माध्यम से सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है। कार्यक्रम के दौरान 17 नए ट्रस्टियों को नियुक्त किया गया। अतिथियों ने उन्हें बैज लगाकर सम्मानित किया तथा समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर बताया गया कि पिछले छह वर्षों में संस्था से 485 ट्रस्टी जुड़ चुके हैं, जो समाजहित के कार्यों में योगदान दे रहे हैं। अखिल भारतीय नार्मदीय ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष राजेश बड़ोले ने कहा कि कोरोना काल के दौरान भी न्यास ने जरूरतमंद एवं प्रभावित परिवारों की सहायता की थी। उन्होंने समाजहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने जानकारी दी कि खंडवा स्थित नार्मदीय छात्र सहायता संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहा है तथा समाज के आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को शैक्षणिक सहायता उपलब्ध करा रहा है। कार्यक्रम में समाज के अनेक पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित रहे।

दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार, दीवान पलंग में छिपा मिला

अनोखा तीर, हरदा। थाना सिविल लाइन पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार थाना सिवनी मालवा, जिला नर्मदापुरम में 19 वर्षीय छात्रा की रिपोर्ट पर एक युवक के विरुद्ध दुष्कर्म एवं धमकी देने का मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आरोपी ने युवती के साथ दुष्कर्म कर उसका वीडियो बना लिया और उसे वायरल करने की धमकी देकर बार-बार दुष्कर्म किया। प्रकरण का अनुसंधान थाना सिविल लाइन हरदा को प्राप्त हुआ था। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी हरदा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी आर.एस. तिवारी के नेतृत्व में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता एवं अन्य सूचनाओं के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। तलाशी के दौरान पुलिस ने एक मकान में आरोपी की घेराबंदी की। परिजनों ने आरोपी के घर में नहीं होने की जानकारी दी, लेकिन पुलिस को संदेह होने पर घर की बारीकी से तलाशी ली गई। इसी दौरान लाइट बंद होने और दीवान पलंग के अंदर से सांस लेने की आवाज आने पर पुलिस ने पलंग खोलकर देखा, जहां आरोपी छिपा हुआ मिला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक एवं चिकित्सकीय औपचारिकताएं पूरी कीं। इसके बाद उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी आर.एस. तिवारी, उप निरीक्षक संदीप यादव, प्रधान आरक्षक महेश शर्मा, उमेश पवार, आरक्षक वीरेंद्र सिंह राजपूत तथा संतोष ओझा की भूमिका सराहनीय रही।

महिला कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत करने हरदा पहुंचीं प्रदेश महासचिव नेहा चावरे

अनोखा तीर, हरदा। मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव एवं अधिवक्ता नेहा चावरे ने अपने प्रभार क्षेत्र हरदा में जिला कांग्रेस कार्यालय पर संगठनात्मक बैठक लेकर महिला कांग्रेस को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संदेश दिया। बैठक जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन साईं की उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक को संबोधित करते हुए नेहा चावरे ने कहा कि महिला कांग्रेस संगठन की रीढ़ है और महिलाओं की सयि भागीदारी के बिना संगठन को मजबूत नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं से गांव, वार्ड और बूथ स्तर पर संगठन को सशक्त करने, जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा अधिक से अधिक महिलाओं को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने का आह्वान किया। बैठक में संगठन की मजबूती, महिला कांग्रेस की जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेश महासचिव ने संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं को आगामी कार्यक्रमों की जिम्मेदारियां भी सौंपीं। नेहा चावरे ने कहा कि महिला कांग्रेस समाज के हर वर्ग की महिलाओं की आवाज बनकर उनके अधिकारों और समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पोस्टकार्ड लिखकर महिला आरक्षण लागू करने की मांग उठाई। महिलाओं को आरक्षण लागू करो, आज करो, अभी करो के नारे लगाते हुए जिला अध्यक्ष मोहन साईं, सुप्रिया पटेल, प्रमिला सिंह ठाकुर, रानू पटेल, नमिता पिपर्दे, सोनम धामा, सुषमा बिल्लौरे, गोविंद व्यास सहित महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कांग्रेस कार्यालय से पैदल मार्च निकाला और पोस्ट ऑफिस पहुंचकर पोस्टकार्ड जमा किए। बैठक में महिला कांग्रेस की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुई सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा

अनोखा तीर, मसनगांव। पुरुषोत्तम मास के अवसर पर श्री राधा-कृष्ण मंदिर परिसर में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन पूर्णाहुति एवं महाप्रसादी वितरण के साथ श्रद्धा और भक्ति भाव से संपन्न हुआ। कथा के अंतिम दिवस बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, सुदामा चरित्र तथा राजा परीक्षित के मोक्ष प्रसंग का श्रवण किया। कथावाचक पंडित ओमप्रकाश शर्मा ने भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान ने 16,108 रानियों को दर्शन देकर उन्हें अपना लिया और भक्तों के कल्याण के लिए अनेक स्वरूपों में प्रकट होकर धर्म की स्थापना की। उन्होंने गुरु दत्तात्रेय के 24 गुरुओं की कथा सुनाते हुए कहा कि मनुष्य को प्रकृति और जीव-जंतुओं से भी शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। मधुमक्खी का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि अत्यधिक धन संचय अंततः दुख का कारण बन सकता है, क्योंकि संग्रहित वस्तु कभी भी नष्ट या चोरी हो सकती है। इसी प्रकार मकड़ी अपने ही बनाए जाल में फंस जाती है, जिससे यह सीख मिलती है कि मनुष्य को ऐसे कर्मों से बचना चाहिए जो अंततः उसी के लिए बंधन बन जाएं। उन्होंने जल के महत्व का वर्णन करते हुए कहा कि बहता हुआ जल सदैव उपयोगी और पवित्र माना जाता है, जबकि एक स्थान पर संचित जल भी आवश्यकता पड़ने पर अनेक कार्यों में काम आता है। दत्तात्रेय ने ऐसे ही विभिन्न प्राकृतिक तत्वों और जीवों से जीवनोपयोगी शिक्षाएं प्राप्त कर उन्हें अपना गुरु माना था। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण और उनके परम मित्र सुदामा के चरित्र का मार्मिक वर्णन किया गया। बताया गया कि सुदामा ने जीवनभर अभाव और कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन कभी किसी के सामने हाथ नहीं फैलाया। जब वे द्वारका पहुंचे तो भगवान से कुछ मांगने नहीं गए थे, बल्कि केवल अपने मित्र के दर्शन करने पहुंचे थे। उनकी निस्वार्थ भक्ति और संतोष से प्रसन्न होकर भगवान ने बिना मांगे ही उनके जीवन के सभी कष्ट दूर कर दिए। यह प्रसंग सच्ची भक्ति, आत्मसम्मान और संतोष का संदेश देता है। कथा में यदुवंश के विनाश का प्रसंग भी सुनाया गया। बताया गया कि अहंकार मनुष्य के पतन का प्रमुख कारण होता है। यदुवंशियों में बढ़ते अभिमान और अनुचित आचरण के कारण उन्हें श्राप प्राप्त हुआ, जिसके परिणामस्वरूप उनका विनाश हुआ। इसके पश्चात भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी लौकिक लीलाओं का समापन कर परमधाम की ओर प्रस्थान किया। समापन प्रसंग में राजा परीक्षित और श्री शुकदेव महाराज की कथा का वर्णन किया गया। कथावाचक ने बताया कि सात दिनों तक भागवत श्रवण और गुरु कृपा के प्रभाव से राजा परीक्षित को आत्मज्ञान प्राप्त हुआ। तक्षक नाग के दंश के बाद भी उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हुई। श्री शुकदेव महाराज की वंदना और भगवान के स्मरण के साथ कथा का समापन पूर्णाहुति, आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। कथा समापन अवसर पर श्रद्धालुओं ने धर्म, भक्ति और सदाचार के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कहार महासंघ हरदा के जिला उपाध्यक्ष बने सूरज बावने

अनोखा तीर, हरदा। कहार महासंघ के सक्रिय, समाजसेवी कार्यकर्ता सूरज बावने को संगठन में उनकी वर्षों की निष्ठापूर्ण सेवाओं, उत्कृष्ट कार्यकुशलता तथा समाजहित में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को देखते हुए जिला उपाध्यक्ष, हरदा पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। सूरज बावने की नियुक्ति से समाजजनों एवं संगठन पदाधिकारियों में हर्ष का वातावरण है। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व, अनुभव एवं संगठनात्मक क्षमता से कहार महासंघ को नई मजबूती मिलेगी तथा समाज के उत्थान, युवाओं को संगठित करने और संगठन विस्तार के कार्यों को नई दिशा प्राप्त होगी। कहार महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि सूरज बावने लंबे समय से समाज एवं संगठन के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उनकी कार्यशैली, समाज के प्रति समर्पण एवं संगठन के प्रति निष्ठा को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी प्रदान की गई है। उनसे अपेक्षा है कि वे समाज की समस्याओं के समाधान, सामाजिक एकता एवं संगठन की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। नियुक्ति के अवसर पर कहार महासंघ परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। समाज के विभिन्न वर्गों, युवाओं एवं शुभचिंतकों ने भी उन्हें बधाई देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यशाला संपन्न

अनोखा तीर, हरदा। मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी कार्यालय कमल कुंज, हरदा में जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला प्रभारी प्रभुराम चौधरी, पूर्व मंत्री कमल पटेल, जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा तथा जिला पंचायत अध्यक्ष गजेंद्र शाह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यशाला में 5 जून से 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। इस दौरान विश्व पर्यावरण दिवस, विशेष जनसंपर्क अभियान, मीडिया संवाद, जनकल्याण शिविर, मोदी सरकार की उपलब्धियों की प्रदर्शनी, सभागार बैठकें, प्राकृतिक खेती कार्यशालाएं तथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सहित विभिन्न कार्यक्रमों के लिए प्रभारियों की नियुक्ति की गई। कार्यक्रम के संयोजन हेतु जिला समिति का गठन किया गया, जिसमें संयोजक के रूप में राजेश गोदारा, सह संयोजक प्रीति गहलोद तथा सदस्य के रूप में जगदीश सोलंकी, गया प्रसाद पांडे और विक्रांत अग्रवाल को नियुक्त किया गया।

डिलीवरी बॉय बनकर कर रहे थे नशीली गोलियों की सप्लाई, चार आरोपी गिरफ्तार

अनोखा तीर, खंडवा। जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित नशीली दवा अल्प्राजोलम की सप्लाई करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 1600 अल्प्राजोलम टैबलेट, दो इलेक्ट्रिक स्कूटर, चार मोबाइल फोन एवं नकदी जब्त कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 30 मई की देर रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि रेलवे ब्रिज के नीचे कब्रिस्तान के पास दो युवक नशीली गोलियां बेचने की फिराक में खड़े हैं। सूचना पर कोतवाली पुलिस ने घेराबंदी कर मो. रईस 32 निवासी हातमपुरा एवं शेख साहिल 25 निवासी छीपा कॉलोनी को गिरफ्तार किया। तलाशी में उनके कब्जे से 100 अल्प्राजोलम टैबलेट, एक इलेक्ट्रिक स्कूटर, दो मोबाइल फोन और एक हजार रुपए नकद बरामद किए गए। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने शहर में डिलीवरी बॉय की तरह नशीली गोलियों की सप्लाई करना स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने बुरहानपुर में कार्रवाई कर फारिस 40 निवासी लालबाग एवं सुभाष महाजन 60 निवासी सिकरपुरा को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 1500 अल्प्राजोलम टैबलेट, एक इलेक्ट्रिक स्कूटर और दो मोबाइल फोन जब्त किए गए। पुलिस ने कुल 1600 अल्प्राजोलम टैबलेट सहित करीब 1.24 लाख रुपए मूल्य का मशरूका बरामद किया है। सभी आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने बताया कि जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रवीण आर्य, प्रधान आरक्षक इरशाद अली तथा आरक्षक राहुल, आलेश, अरविंद तोमर, पंकज साहू, रूपेश बावने, अभिषेक सन्यास, हेमंत सपकाले, रविंद्र सोलंकी एवं बलवंत राठौर की सराहनीय भूमिका रही।

जमीन बेचना है
27 एकड़ जमीन ग्राम सिंगनपुर, तहसील रहटगांव, जिला-हरदा में बेचना है, जो कि भविष्य में मोरण्ड-गंजाल डेम से सिंचित होगी।
कीमत 16 लाख रुपए प्रति एकड़ रखी गई है।
मो. 9826675197